



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

145
2

सं० 14] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 7, 1979 (चैत्र 17, 1901)
No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 7, 1979 (CHAITRA 17, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रहित रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थाई अधीक्षक (हाल०) श्री एम० एन० धवन को उप नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर 2-3-1979 से 31-5-1979 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

बी० एन० सोम
उप सचिव
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० ए० 12019/2/78-प्र०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा हम कार्यालय के स्थाई अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्री जे० एन० एस० त्यागी को कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर 27-2-1979 से 26-5-1979 तक

1-6GI/79

की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 मार्च 1979

सं० ए० 12019/2/78-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा हम कार्यालय के स्थाई अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्रीमती सुधा भार्गव तथा श्री अरुण को कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर 2-3-1979 से 31-5-1979 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

बी० एन० सोम
उप सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी, 1979

सं० पी०/1837-जिल्द-II-प्रशा०-I—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रीडर डा० बी० एस० मिश्र को संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ)

(2575)

विनियमावली, 1958 के विनियम 4 के परसुक के अधीन 27-12-1978 के पूर्वान्न से 2 वर्ष की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव (प्रशा०)
कृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० ए० 32018/2/78-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई अनुसंधान सहायक (अनु० और मां०) और स्थानापन्न अनुसंधान अन्वेषक श्री राम सिंह को 2-3-1979 से 31-5-1979 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में श्रीमती राजकुमारी आनन्द, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसंधान और मां०) के, जिन्हें अवकाश स्वीकृत किया गया था, स्थान पर कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसंधान और मां०) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के मामले दर्शायी गई अवधि अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

क्र० सं०	नाम	अवधि जिसके लिये अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया	टिप्पणी
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	आर० के० असूजा	1-3-79 से 30-4-79 तक	का० तथा प्र० सु० विभाग के
2.	एम० के० अरोड़ा	1-3-79 से 30-4-79 तक	का० क्षा० सं० 12/1/74-सी० एम० (I) दिनांक 11-12-75 के अनुसरण में श्री अरोड़ा को, जो डेस्क अटैची

1	2	3	4
			नियुक्त किये गए हैं, 1-3-79 से 30-4-79 तक डेस्क अधिकारी पुनर्पदित किया गया - है तथा वह रु० 75/- प्रति माह विशेष वेतन लेंगे।
3.	एम० एन० शर्मा	1-3-79 से 30-4-79 तक	
4.	जय नारायण	1-3-79 से 30-4-79 तक	
5.	एम० आर० खन्ना	2-3-79 से 30-4-79 तक	
6.	एन० के० डींगरा	20-2-79 से 30-4-79 तक	
7.	बी० एन० शर्मा	1-3-79 से 30-4-79 तक	
8.	के० पी० ग्रैयर	1-3-79 से 9-4-79 तक	
9.	एम० डी० एम० मिनहाम	19-2-79 से 18-4-79 तक	
10.	जे० एल० मुद	19-2-79 से 5-4-79 तक	

दिनांक 9 मार्च 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16-2-79 के आशिक संशोधन में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री आर० पी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 26-2-79 से 12-4-79 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई सहायकों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के मामले दर्शायी गई अवधि अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि जिसके लिये अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया।
1.	श्री कृष्ण कुमार	1-3-1979 से 30-4-1979 तक
2.	श्री जी० पी० भट्टा	28-2-79 से 16-4-79 तक
3.	श्री एस० एन० घोष	1-3-79 से 16-4-79 तक

2. इस कार्यालय की ममसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16-2-1979 द्वारा श्री एम० एन० अरोड़ा की 5-2-79 से 22-3-79 तक अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्ति को रद्द कर दिया गया है।

डा० ना० सोम
उप सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/2/78-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० I दिनांक 30-11-78 और 16-12-78 में आंशिक आशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० म० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी सर्वश्री टी० एन० चन्ना, बी० आर० वर्मा और बी० एस० जगदीश को, राष्ट्रपति द्वारा 17-11-78 से, आगामी आदेश तक, उक्त सेवा के ग्रेड I में धवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के के० म० सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थाई अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा इनमें से प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड 1 में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1.	बी० एम० कपूर	10-1-79 से 28-2-79 तक
2.	प० सी० माथुर	1-1-79 से 28-2-79 तक

सं० ए० 32013/1/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के के० म० स्टे० सेवा संवर्ग के, ग्रेड क के स्थायी अधिकारी श्री बी० बी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा 19-1-79 से 28-2-79 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, के० म० सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(का० एवं प्र० सू० विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1979

सं० एम०-19/85-प्रशा०-5—भारत के महापंजीकार के कार्यालय में जनगणना प्रचालन के उप-निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिये चयन हो जाने पर, श्री एम० एल० गुलाटी ने दिनांक 26-2-79 के पूर्वाह्न में कार्यालय-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

सं० ए० 19035/1/79-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री प्रियम बिहारी लाल शर्मा को दिनांक 28-2-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० ए० 35018/13/78-प्र०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, राजस्थान राज्य पुलिस के उप निरीक्षक श्री लोकनाथ को दिनांक 30-1-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की जयपुर शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 मार्च, 1979

सं० ओ० दो०-261/89-स्थापना—भारत सरकार यह अधिसूचित करती है कि दिनांक 18-12-78 को श्री बी० एम० सिंह, कमाण्डेंट, 46 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, का देहांत हो गया है।

दिनांक 19 मार्च, 1979

सं० ओ० दो० 98/89-स्था०—श्री जे० ईपन ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप कमाण्डेंट, 58 वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, के पद का कार्यभार दिनांक 28-2-79 के अपराह्न को त्याग दिया।

सं० ओ० दी०-151/77-स्था०—भारत सरकार द्वारा के माध्यम यह अधिसूचित करती है कि दिनांक 3-2-79 को से० कर्नल राजेन्द्र सिंह, संयुक्त सहायक निदेशक (क्रिप्ये), महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली का वेहांत हो गया है।

ग० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 15 मार्च 1979

सं० ई० 16013/2/2/77-कार्मिक—गृह मंत्रालय में निदेशक के रूप में नियुक्ति होने पर, श्री नरेन्द्र प्रसाद, भा० पु० से० (म० प्र० 62) ने 24 फरवरी, 1979 के अवकाश से के० ओ० सु० व० मुख्यालय, नई दिल्ली के महायक महानिरीक्षक (कार्मिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16013/2/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री आर० बी० श्रीकुमार, आई० पी० एम० (गुजरात-71) ने 9 फरवरी, 1979 के पूर्वान्त से के० ओ० सु० व० यूनिट, एफ० ए० सी० टी० (उद्योग मंडल) के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 17 मार्च, 1979

सं० ई० 38013/3/2/78-कार्मिक—गोवा से स्थानान्तरित होने पर, श्री के० ए० वेलिंग्गा ने दिनांक 23 फरवरी, 1979 के पूर्वान्त से के० ओ० सु० व० यूनिट, आई० एम० आर० ओ०, थुम्बा, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

(ह०) अपठनीय

महानिरीक्षक/के० ओ० सु० व०

वित्त मंत्रालय

(अर्थ कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक 13 मार्च 1979

सं० 1785/ए—श्री एस०जी० कानडे (निम्नांकित अधिकारी को चतुर्थ पत्र मुद्रणालय में द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर मुद्रणीत वेतन श्रेणी द० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 में नियमित रूप में दि० 1-3-1979 के पूर्वान्त से नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मुखर्जी

महाप्रबन्धक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

बैंक नोट मुद्रणालय, देवाम

देवाम, दिनांक 10 मार्च 1979

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/78 दिनांक 10-12-78 के अनुक्रम में निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों की व्यवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 1-3-1979 से आगामी तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

क्र० सं०	नाम	पद जिस पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किये गये
----------	-----	--

सर्वश्री

- | | | |
|----|-------------------|---|
| 1 | ए० एम० बृहत्कर | तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) |
| 2 | एम० पोम्पुयुराई | —यथा— |
| 3 | डी० आर० कोडावर | —यथा— |
| 4 | व्हाय० जनार्दनराव | —यथा— |
| 5 | रामपालसिंह | —यथा— |
| 6 | एन० आर० जयरामन | —यथा— |
| 7 | ममरेन्द्र दास | —यथा— |
| 8 | एम० दत्ता | तकनीकी अधिकारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन) |
| 9 | अरुण डंगले | तकनीकी अधिकारी (स्थाही कारखाना अनुसंधान एवं प्रयोगशाला) |
| 10 | जे० एन० गुप्ता | तकनीकी अधिकारी (स्थाही कारखाना उत्पादन) |

पी० एस० शिवराम,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक—महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1979

सं० 383-सी० ए० 1/170-78—अब उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक), महालेखाकार-1 आंध्र प्रदेश, हैदराबाद, कार्यालय के श्री बी० श्रीनिवास राव एक अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) जो इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड में प्रतिनियुक्ति पर है को 29-11-1978 (पूर्वान्त) से "तन्निमित्त नियम" के अन्तर्गत स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 384-सी० एफ०/1/173-78—अपर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को महर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है और नीचे कालम 5 में उल्लिखित तिथियों में प्रत्येक नाम के मामले कालम 4 में लिखे गये कार्यालयों में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में तैनात किया है।

क्र० सं० अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तिथि	
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1. आर० सी० तैह्त	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा नई दिल्ली।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई।	29-12-78	(पूर्वाह्न)
2. हर्षमय मुखर्जी	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची।	14-12-78	(पूर्वाह्न)
3. रजित चक्रवर्ती		"	27-12-78	(पूर्वाह्न)
4. के० सी० परमार	महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची।	23-1-79	(पूर्वाह्न)
5. प्रिय व्रत मन मजूमदार	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता।	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।	18-1-79	(पूर्वाह्न)
6. आर० नागेश्वरन्	महालेखाकार- तमिलनाडु, मद्रास।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची।	3-2-79	(पूर्वाह्न)
7. हरबंद जैन	महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर।	"	12-2-79	(पूर्वाह्न)
8. बी० रामाचन्द्र राव	महालेखाकार-II आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई।	9-2-79	(पूर्वाह्न)

दिनांक, 16 मार्च 1979

सं० 416-सी० एफ० 1/161-78—अपर उपनियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को महर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है और नीचे कालम 5 में उल्लिखित तिथियों में प्रत्येक नाम के मामले कालम 4 में लिखे गये कार्यालयों में आगे के आदेश होने तक इसी रूप में तैनात किया है।

क्र० सं०	अनुभाग अधिकारियों (वा०) का नाम	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तिथि
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	पी० आर० समाद्वार	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	10-11-78 (पूर्वान्त)

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
2.	के० ए० मनिषान कुट्टि	महालेखाकार, केरल ।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची ।	15-12-78 (पूर्वाह्न)
3.	एम० एन० प्रकाशम	महालेखाकार-II तमिलनाडु, मद्रास ।	महालेखाकार, उड़ीसा ।	29-11-78 (पूर्वाह्न)
4.	चोब्रे लाल	पीपुल्स एक्शन फार डेवलपमेंट इंडिया में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन पर ।	महालेखाकार-II बिहार, पटना ।	12-12-78 (पूर्वाह्न)
5.	टी० एम० जेपात्रि	महालेखाकार-II तमिलनाडु, मद्रास ।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची ।	13-12-78 (पूर्वाह्न)
6.	श्रीरेन्द्र पाल सिंह	महालेखाकार-II, म० प्र०, खालियर ।	„	28-12-78 (पूर्वाह्न)
7.	ए० सत्यनारायण मूर्ति	महालेखाकार-II आंध्र प्रदेश, हैदराबाद ।	महालेखाकार, उड़ीसा	12-12-78 (पूर्वाह्न)
8.	मनीश कुमार	नागालैंड पब्लि एंड पेपर कं० लि० में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन पर ।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा रांची ।	14-12-78 (पूर्वाह्न)
9.	जे० पी० श्रीवास्तव	महालेखाकार-II उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।	„	12-12-78 (पूर्वाह्न)
10.	गोपाल चन्द्र बस	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल, कलकत्ता ।	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल, कलकत्ता ।	10-11-78 (पूर्वाह्न)
11.	सी० एम० एन० स्वामी	महालेखाकार (वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक विभाग) बम्बई ।	महालेखाकार (वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक विभाग) बम्बई ।	1-12-78 (पूर्वाह्न)
12.	एम० सप्तर्षी	महालेखाकार-II तमिलनाडु, मद्रास ।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची ।	4-12-78 (पूर्वाह्न)
13.	ब्रज मोहन मेहता	महालेखाकार, पंजाब ।	„	29-11-78 (पूर्वाह्न)
14.	विश्वनाथ चक्रवर्ती	निदेशक लेखापरीक्षा (खाद्य) में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन पर ।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता ।	29-11-78 (पूर्वाह्न)
15.	ब्रज राज शर्मा	महालेखाकार, राजस्थान ।	महालेखाकार, गुजरात	12-12-78 (पूर्वाह्न)
16.	शुम्भुनाथ सिंह	महालेखाकार-II उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।	महालेखाकार-II बिहार, पटना ।	27-11-78 (पूर्वाह्न)
17.	वाई० बी० श्री० रमण मूर्ति	महालेखाकार-II आंध्र प्रदेश, हैदराबाद ।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून के अधीन निवासी लेखापरीक्षा कार्यालय (ओ० एन० जी० सी०), बड़ौदा ।	5-1-79 (पूर्वाह्न)

एम० एम० शीवर,
उप निदेशक (वा०)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

डाक-तार शाखा

दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० प्रशा०—III-21-23(ए) (2) अधिसूचनाएं—
डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय मद्रास के स्थाई
लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जी० नटराजन दिनांक 31-12-78
(अपराह्न) से निवृत्ति पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

एम० कृष्णन,
वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० 23011(1)/66/प्रशा०—I—भारतीय रक्षा लेखा
सेवा के कनिष्ठ समयमान के ग्रुप ए० में निम्नलिखित
अधिकारियों की उनकी नाम के सामने लिखी तारीख से
पुष्टि की जाती है :—

क्र० सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
1.	श्री धीर सिंह मीना	21-8-1978
2.	श्री यशवन्त एस० नेगी	21-8-1978
3.	श्री कैहव बायफे	1-6-1978

सं० 86016(16)/79-प्रशा०—I—राष्ट्रपति, भारतीय
रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री स्टीफन लकरा को
उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-
1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के
लिये दिनांक 28 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) में, आगामी
आदेश पर्यन्त, महर्षि नियुक्त करते हैं।

आर० एल० बन्शी,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० 11/जी०/79—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को
उनके सामने दर्शायी गई तारीख से अग्रिम आदेश न
होने तक, स्थानापन्न उपमहानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां
स्तर-I के पद पर नियुक्त करते हैं :—

श्री आर० आर० वाल्मू, स्थानापन्न उपमहानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्टरियां/स्तर-II—9 फरवरी, 1979।

सं० 12/जी०/79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों
को उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, अग्रिम आदेश न
होने तक, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते
हैं :—

(1) श्री गोपाललन मल्लिक, महायक प्रबन्धक (परखा-
बधि)—9 जनवरी, 1979।

(2) श्री एस० एन० सरकार, सहायक प्रबन्धक (परखाबधि)
—9 जनवरी, 1979।

सं० 13/79/जी०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित अधिकारी
को स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ०/ग्रेड-I के पद
पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश
न होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री के० द्वारकानाथ, स्थायी ए० डी० जी० ओ० एफ०/
ग्रेड-II—4 जनवरी, 1979।

सं० 14/जी०/79—तारीख 3/15-11-1978 के
381/ए०/जी० संख्यक पत्र द्वारा भेजे गये इस महानिदेशालय
के तारीख 3-11-1978 के 74/जी०/78 संख्यक राजपत्र
अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन किये जाते हैं :—

क्रम सं० 10 में

वास्ते :—श्रीमती मीनाक्षी सेठ, स० प्र० (परखाबधि)
—10वीं अगस्त, 1978।

पढ़ा जाए :—श्रीमती मीनाक्षी सेठ, स्थायी स० प्र०—
10वीं अगस्त, 1978।

दिनांक 12 मार्च 1979

सं० 16/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त कर, श्री एम० बी० चौधरी, स्थानापन्न टी० एस०
ओ० (मौलिक एवं स्थाई स्टाफ अमिस्टेंट) दिनांक 28
फरवरी, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 17/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त कर, श्री आर० एन० बोम, स्थानापन्न आफिसर
सुपरवाइजर (मौलिक एवं स्थाई ए० एम० ओ०) दिनांक
28 फरवरी, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
महायक महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1979

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1087/75 प्रशा०(राज०)/2315—सेवा-निवृत्ति
की आयु होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधि-
कारी श्रेणी के स्थानापन्न अधिकारी श्री पी० एस० वर्मा

ने 28 फरवरी, 1979 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

राजेंद्र सिंह,
उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० 12(133)/61-प्रशा० (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग विकास संगठन के स्पाई उप निदेशक (औद्योगिकी प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) तथा निदेशक, ग्रेड—(सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री जे० के० डे को निवृत्ति की आय प्राप्त करने पर दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

2. सेवानिवृत्त होने पर श्री जे० के० डे ने दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन के निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018/369/78-प्रशा०—(राजपत्रित)—राष्ट्रपति, भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण संस्था, कलकत्ता के श्री बी० एस० करुणाकरण, स्थाईवत् यात्रिक अभियंता (कनिष्ठ) को दिनांक 23 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (यात्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 मार्च 1979

सं० 12/709/72-प्रशा० (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन, तजानिया में विशेषज्ञ के रूप में दो वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति पर चले जाने पर श्री एम० सुन्दराराजन ने दिनांक 20 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के उप निदेशक (यात्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र गुप्त,
उप निदेशक (प्र०)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 13 मार्च, 1979

सं० ई०-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-11(7) में

श्रेणी-2 नाइट्रेट मिश्रण के अधीन

(i) प्रविष्टि "मोनोएकम" में "1979" अंकों के स्थान पर "1980" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(ii) प्रविष्टि "पी० ड०-1-ए० ड०" में "1979" अंकों के स्थान पर "1980" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(iii) प्रविष्टि "पी० ड०-IX" में "1979" अंकों के स्थान पर "1980" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे, और

(iv) प्रविष्टि "पन्वेकम" में "1979" अंकों के स्थान पर "1980" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

श्रेणी 3—भाग 1 के अधीन

(i) "ज़िलेटिन" शब्द के पूर्व "डी सेगुरिदाद (20-एम० आर०) स्पेनिश मेक—अभिगत कोल/गैसी माइन्स में अभिप्रयोग हेतु 1 अगस्त, 1979 तक" को जोड़ दिया जावे।

इंगुब नरसिंह मूर्ति,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूति विभाग

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग—1)

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० प्र०-1(485) पूति निदेशक (वस्त्र)—बम्बई के कार्यालय में भारतीय पूति सेवा के ग्रेड-III में सहायक निदेशक (पूति) (ग्रेड I) श्री सी० ए० वेंकटेश्वरन् निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 28-2-1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 12 मार्च 1979

सं० प्र०-1/1(10/8)—पूति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक ग्रेड-II सर्वश्री एम० नागराजन और एम० के० बैनर्जी दिनांक 28-2-79 के अपराह्न से अवर प्रगति अधिकारी के अपराजपत्रित पद पर अवतल कर दिये गये।

2. मुख्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड 2) सर्वश्री राम किशन, बलबीर सिंह और साधु राम 28-2-79 के अपराह्न से अवर प्रगति अधिकारी के पद पर अवतल कर दिये गये हैं।

कृष्ण किशोर
उप निदेशक, (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग—6)

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० प्र०-6/247(230)/595-III—राष्ट्रपति भारतीय निरीक्षण सेवा (ग्रुप ए) के ग्रेड-III की धातुकर्म शाखा के सहायक निदेशक निरीक्षण श्री एम० डी० बेबीलोनी को दिनांक 24-1-79 से सेवा के ग्रेड-II की धातुकर्म शाखा में उपनिदेशक निरीक्षण के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बेबीलोनी मे निरीक्षण निदेशक, जमशेदपुर
कार्यालय में सहायक निदेशक, निरीक्षण का पद
दिया और दिनांक 24 जनवरी, 1979
कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (धातु)
संभाल लिया।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० प्र० 6/247(226)/76-राष्ट्रपति, भारतीय
निरीक्षण सेवा (ग्रुप ए) के ग्रेड III की धातु-रसायन
शाखा के सहायक निदेशक निरीक्षण श्री एच० अनन्धपप्पनाभुलू
को दिनांक 29 जनवरी, 1979 से एक वर्ष के लिये भार-
तीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड II की धातु-रसायन शाखा में
उप निदेशक निरीक्षण के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त
करते हैं।

श्री अनन्धपप्पनाभुलू ने निरीक्षण निदेशक (धातु) जम-
शेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-
रसायन) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 29 जनवरी,
1979 के पूर्वार्द्ध से उसी कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण
(धातु-रसायन) का पदभार संभाल लिया।

पी० जी० सेठ
उप निदेशक (प्रशा०)

सं० सी०-5474/707-निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में
अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-
1200 द० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर अनन्तिम रूप से नियुक्त किया जाता है—

क्र० सं०	नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1.	श्री टी० एम० राणा, सर्वेक्षक मिले० ग्रेड	सं० 15 पार्टी (सं० प्र० सं०) हैदराबाद	26-9-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० बी० ममगाई, सर्वेक्षक मिले० ग्रेड	सं० 67 (एफ० एस० पी०) पार्टी (सर्वे० हवाई) कोयम्बतूर।	3-10-78 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एम० आर० भिडे, सर्वेक्षक मिले० ग्रेड	सं० 31 पार्टी (द० म० सं०) हैदराबाद।	27-10-78 (पूर्वाह्न)
4.	श्री राम लाल, ड्राफ्ट्समैन डि०-1 मिले० ग्रेड	सं० 2 आरेखण कार्यालय (उ० सं०) देहरादून।	18-1-79 (पूर्वाह्न)

सं० सी०-5475/579-ए०-निम्नलिखित अधिकारी जो
स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० मि० सेवा ग्रुप 'बी०'
पद) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये गये थे,
27 फरवरी, 1979 से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की जाती
है।

1. श्री एम० पी० जैन
2. श्री एम० एम० चक्रवर्ती
3. श्री जे० पी० शर्मा
4. श्री के० सी० भट्टाचार्य

2-6GI/79

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० 4-159/78/स्था०-भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण
के निदेशक, श्री विलियम एक्का को इस सर्वेक्षण के मुख्यालय
कलकत्ता में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद
पर 13 फरवरी, 1979 के पूर्वार्द्ध में अस्थाई आधार पर
अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० सी०-5473/594-श्री टी० सी० हमदा, तकनीकी
सहायक, मिले० ग्रेड को दिनांक 25 जनवरी, 1979 से
भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबंधक मानचित्र
पुनरुत्पादन (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-
740-35-810 -द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०
40-1200 द० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त
किया जाता है।

5. श्री एस० एल० बिषयदानी

6. श्री एस० डी० करारिया

7. श्री आर० एन० शर्मा

8. श्री बी० एन० नेपाली

के० एल० खोमला
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० ए० 12028/1/78-स्टाफ०-5—महानिदेशक,
आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० एच० मुसुद, वरिष्ठ प्रशा-
सन अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास को तदर्थे आधार पर,
12 मार्च, 1979 से, अगले आदेश होने तक, आकाशवाणी,
नई दिल्ली में लेखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० बी० मेघाद्वि
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1979

सं० ए० 19019/13/78—(मुख्या०) प्रशा०-1—
श्री वाई० के० अग्रवाल ने अपनी बदली सरकारी चिकित्सा
मामग्री भण्डार, बम्बई में हो जाने के परिणामस्वरूप
1 फरवरी, 1979 की पूर्वाह्न में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कामिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1979

सं० 7(7)/77—स्थायीकरण/522—नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को इसके द्वारा 1 जनवरी 1979 से भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं —

क्र० सं०	नाम	अभी का पद	युनिट जिम्मेदार अभी काम करते हैं।	स्थायी पद
1.	श्री एम० मुकुन्दन	सहायक कामिक अधिकारी	बी० ए० आर० सी०	पी० पी० ई० डी० पूल में एम० जी० सी०
2.	श्री पी० पी० पै	जनसंपर्क अधिकारी	बी० ए० आर० सी०	बी० ए० आर० सी० में सहायक
3.	श्री बी० ए० एम० प्रसाद	सहायक कामिक अधिकारी	बी० ए० आर० सी०	बी० ए० आर० सी० में वरिष्ठ आशुलिपिक
4.	श्री के० मुञ्जमण्यम	सहायक कामिक अधिकारी	बी० ए० आर० सी०	बी० ए० आर० सी० में सहायक।
5.	श्री पी० आर० राजगोपालन	सहायक कामिक अधिकारी	बी० ए० आर० सी०	बी० ए० आर० सी० में वरिष्ठ आशुलिपिक
6.	श्री सी० जी० सुकुमारन	सहायक कामिक अधिकारी	बी० ए० आर० सी०	बी० ए० आर० सी० में वरिष्ठ आशुलिपिक।
7.	श्री एच० आर० रेनुशे	अनुभाग अधिकारी	डी० ए० ई०	बी० ए० आर० सी० में सहायक।

बी० आर० पटगवकर
उप-स्थापना अधिकारी

नई दिल्ली में उप महायक महानिदेशक (स्टोर्ज), के पद
का कार्यभार छोड़ दिया।

शाम लाल कुठियाला
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि एवं मिर्चाई मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 16 मार्च 1979

सं० ए० 31014/3/78-प्र० I—कृषि विपणन सलाहकार
भारत सरकार, निम्नलिखित अधिकारियों को विपणन एवं
निरीक्षण निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग III)
के स्थाई पदों पर मूल रूप में उनके नाम के आगे बितितिष्ठ
तारीख से नियुक्त करते हैं:—

(1) श्री म० म० प्रसाद राव—15-7-76

(2) श्री अ० का० शास्त्री—11-11-77

(3) श्री म० व० नीलाश्रीवम—11-11-77

2. उपरोक्त अधिकारियों का निम्न पद पर ग्रहणाधिकार
यदि कोई हो तो, विपणन अधिकारी के पद पर स्थाई होने
की तारीख से समाप्त हो जायेगा।

बी० एल० मनहार
निदेशक, प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

परमाणु विद्युत् परियोजना

बम्बई-5, दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/78-प्रणा०-2474—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री के० शंकरन कृट्टी, उस परियोजना से अपना तबादला हो जाने पर, 13 फरवरी, 1979 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक के लिये विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में सहायक प्रशासन अधिकारी के ग्रेड (650-900 रुपये) के अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

दिनांक 6 मार्च 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(283)/78-प्रणा०—विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री डी० एल० गवनकर को 5 मार्च, 1979 के पूर्वार्द्ध से 28 अप्रैल, 1979 के अपराह्न तक की अवधि के लिये उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री एम० के० अश्वर की लेखा अधिकारी-II के पद पर पदोन्नति होने के स्थान पर की गई है।

बी० बी० यादे
प्रशासनिक अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना

नरोरा, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रणा०/I(III)/79-एम०/2680—नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'बी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० श्री आर० एन० भारद्वाज को 15 फरवरी, 1979 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक के लिये नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० कृष्णन
प्रशासनिक अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० पी० ए० आर०/0701/240—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री बी० एच० एल० जी० शास्त्री,

औद्योगिक अस्थायी आशुलिपिक (प्रवरण कोर्ट) को 6-1-1979 से 22-1-1979 तक स्थानापन्न रूप से छुट्टी रिक्ति पर, सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 फरवरी 1979

सं० पी० ए० आर०/0704/388—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री बी० एच० एल० जी० शास्त्री औद्योगिक अस्थायी आशुलिपिक (प्रवरण कोर्ट) को 30-1-1979 से 13-3-1979 तक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० आर०/0704/389—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, औद्योगिक अस्थायी आशुलिपिक (प्रवरण कोर्ट) श्री बी० एच० एल० जी० शास्त्री को 23-1-79 से 29-1-79 तक छुट्टी की रिक्ति पर स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलपाक्कम-603102, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/8(16)/78-भर्ती—विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के निदेशक, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री के० जी० बालचन्द्रन को 7 अक्टूबर, 1978 से 28 फरवरी, 1979 तक की अवधि के लिये मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री बी० के० सन्धानम, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई, के स्थान पर की गई है।

के० बालकृष्णन
प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० ए० 32012/1/78-एम०-राष्ट्रपति ने डा० पी० के० दाम को 2500-125/2-2750 के वेतनमान से 9 मार्च, 1979 (पूर्वार्द्ध) से तथा अगले आदेशों तक मौसम विज्ञान का महानिदेशक नियुक्त किया है।

एम० सूर्यनारायण
अवर सचिव

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० ए०-32013/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री आर० सम्पत कुमारन्, तकनीकी अधिकारी को श्री एस० कृष्णास्वामी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास जिन्हें 62 दिन की अर्जित छुट्टियाँ मंजूर की गई हैं, के स्थान पर दिनांक 4-12-78 से 3-2-79 (पूर्वाह्न) तक तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/3/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 18-10-79 तथा 6-2-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने महा-

सं० ए० 38013/1/77-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है—

क्र० सं०	नाम एवं पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवानिवृत्ति की तारीख
1.	श्री आर० एम० राघवन, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	30-4-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एन० वी० नथ्यर, सहायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	30-5-78 (पूर्वाह्न)

सत्य देव शर्मा
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 12032/3/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम के विमानक्षेत्र अधिकारी, श्री जे० के० बर्मन का दिनांक 28 फरवरी, 1979 अपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 9 मार्च 1979

सं० ए० 39013/3/79-ई० ए०—महानिदेशक, नागर विमानन ने कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम के श्री बी० के० केशवानी, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी का दिनांक 4 मार्च, 1979 से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

बी० वी० जीहरी
सहायक निदेशक प्रशा०

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 1/183/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री श्री० एम० राव को तदर्थ आधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 23-5-78 से 6-7-78 (दोनों दिनों

निदेशक, नागर विमानन (मुख्यालय) में कार्यरत निम्नलिखित तीन सहायक निदेशकों (संचार) की तदर्थ नियुक्ति को 31-5-79 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है:—

1. श्री आर० एम० अजमानी
2. श्री के० रामलिंगम
3. श्री एच० वी० सुदर्शन

सं० ए० 32014/5/78-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री सी० के० मोवनी, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली को दिनांक 19-2-79 (पूर्वाह्न) से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर
निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक मई 1979

सं० 4/79—श्री वी० एन० देसाई ने, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक एकक में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' के पद से वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर दिनांक 28-2-79 को (दोपहर बाद से) उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एम० वी० एन० राव
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क समाहृतलय

भुवनेश्वर, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० 4/79—संशोधन होने पर श्री सुरेन्द्र नाथ पात्र, केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क निरीक्षण (सीनिपर ग्रेड) भुवनेश्वर हेडक्वार्टर्स में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क (श्रेणी 'ख') पदवी का दिनांक 21-2-79 को कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 5/79—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क के भुवनेश्वर हेडक्वार्टर्स में स्थापित हुए निम्नलिखित अफसरों 28 फरवरी, 1979 अपराह्न में इस विभाग में अवसर लिये:—

अफसरों का नाम	पदनाम और जिम्मे स्थान से अवसर लिये
1. श्री लिंगराज रथ	प्रणामन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क समाहृतलय, भुवनेश्वर।
2. श्री ब्रह्मानन्द पात्र	अधीक्षक वर्ग 'ख', केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क समाहृतलय, भुवनेश्वर।

एच० वुमखोथांग
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क
भुवनेश्वर

पटना, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० II (7)2-स्था०/79/2793—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहृतलय, पटना के स्थानापन्न मुख्य लेखा अधिकारी श्री सी० डी० तिवारी अपने सेवा की आयु पूरी कर दिनांक 31/1/79 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हुए।

डी० के० मरकार
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सहनानुर ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1979

सं० 4393/560(5)/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सहनानुर ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में फाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अश्वयुक्त
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 तथा दि
दक्षिण भारत अवकाली कारपोरेशन लिमिटेड के विषय
में

(कम्पनी अधिनियम, 56 की धारा 445)

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1979

सं० 4379/लिवि०/445/77—एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 97/1976 में उच्च न्यायालय, मद्रास की फाइल पर दिये गये दिनांक 24-11-1977 के आदेश द्वारा कम्पनी दि दक्षिण भारत अवकाली कारपोरेशन लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

य० सत्यनारायण
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पांडिचेरी केमिकल्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 13 मार्च 1979

सं० 134/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर "पांडिचेरी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल कारण दशित न किये गया तो रजिस्टर से फाट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायण
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आमफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/जुलाई-51/2662/78-79/6717—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एच०-55 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

1. श्री सोहन लाल सहगल, सुपुत्र श्री भगत रामजी सहगल, निवासी मकान नं० 1, रोड़ नं० 61, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह कालसी, सुपुत्र श्री मरदार बीर सिंह कालसी, निवासी एन०-6, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ट्रेड मंजिला मकान जोकि 197.4/10 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है। प्लॉट का नं० एच-55 है, राजौरी गार्डन, बसागदारापुर गांव, दिल्ली राज्य में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: प्लॉट नं० एच०-56

पश्चिम: प्लॉट नं० एच०-54

उत्तर: प्लॉट नं० एच-17 तथा 18

दक्षिण: रोड़।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज- , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-3-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आम्फअली मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/जुलाई-37/2712/
78-89/6718/17-3---यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एच०-60 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लाल चावला, सुपुत्र श्री नाथु राम चावला,
निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. लेडी डाक्टर मर्गेज गुलाटी, पत्नी डा० जीतेन्द्रा
मोहन गुलाटी, निवासी एच-60, कीर्ती नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० एच-60 का 1/2 अविभाजित हिस्सा जोकि
पहली मंजिल पर है का क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (कुल 300
वर्ग गज) है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है :—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लॉट नं० एच-59 पर मकान

दक्षिण : प्लॉट नं० एच-61 पर मकान।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/II/जुलाई-38/78-79/2711/6718/17/3—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एच-60 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुधा शर्मा, पत्नी श्री राम लाल चावला निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री डा० जीनेन्द्रा मोहन गुलाटी, सुपुत्र श्री जी० एल० गुलाटी, निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० एच-60 की पहली मंजिल का 1/2 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (कुल 300 वर्ग गज) है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लॉट नं० एच-59 पर मकान

दक्षिण : प्लॉट नं० एच-61 पर मकान।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/ जुलाई-35/2714/
78-79/6718/—यन मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० एच-60 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में पूर्वरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरको)
और भन्तरिणी (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी घन या अन्य धारियों
को, जिन्हें भारतीय धार-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधीन भन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जितः—

3 6GI/79

1. श्री मति वेद प्रकाश गान्धी पत्नी श्री जय राय गान्धी,
निवासी 16/25, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
(पत्तरक)

2. श्रीमती गुलाब रानी पत्नी श्री राम लाल लाला, निवासी
डी-75 न्यू मुल्तान नगर, नई दिल्ली।
(भन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद सं० एच-60 की पहला मजिल जिसका क्षेत्रफल
150 वर्ग गज (कुल 300 वर्ग गज है), कीर्ती नगर, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लॉट नं० 59

दक्षिण : प्लॉट नं० 61

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली -1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/जुलाई-36/2713/78-79/6718/—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एच-60 है, तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परब्रह्म प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री राम लाल चावला, सुपुत्र श्री नाथु राम चावला, निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. डा० जीतेन्द्रा मोहन गुलाटी, सुपुत्र श्री जी० एल० गुलाटी, निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिग से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद नं० एच-60 का 1/2 अविभाजित हिस्सा जोकि पहली मंजिल पर है का क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 300 वर्ग गज) है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लॉट नं० एच-59 पर मकान

दक्षिण : प्लॉट नं० एच-61 पर मकान

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1989

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग

नई दिल्ली, दिनांक 77 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/जुलाई-137/2857/78-79/6718—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० के-1/29 है तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-7-1978 को

पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री आतमा राम गर्ग, सुपुत्र श्री राम स्वरूप गर्ग, निवासी के-1/29, माडल टाऊन, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला देवी गुप्ता, पत्नी श्री दलीप सिंह गुप्ता, निवासी के-1/29, माडल टाऊन, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 282 वर्ग गज है, और नं० 29, ब्लॉक नं० के-1 है, निवासी कालौनी माडल टाऊन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० के-1/30 पर ब्लिडिंग

पश्चिम : प्लॉट नं० के-1/28 पर ब्लिडिंग

उत्तर : रोड़

दक्षिण : प्लॉट नं० के-29 पर ब्लिडिंग।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/जुलाई-82/2589/78-79/6718/—यन मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-2/9 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

धरा प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जे० एम० गंगौली, सुपुत्र श्री बी० बी० गंगौली, निवासी मकान नं० 49, कालकाजी, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुरज भान, सुपुत्र श्री चन्द्र भान, निवासी मकान नं० 1346, कृष्णा गली, गली गुलियान, डरीबा कालन, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. श्री एम० के० अग्रवाल तथा श्रीमती ईल्ला बैनर्जी। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एफ-2/9 जिसका क्षेत्रफल 227.57 वर्ग गज (272.22 वर्ग मीटर) है, निवासी कालौनी माडल टाउन, किंगजवै कैम्प के पास, माल रोड, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० एफ2/10

पश्चिम : जायदाद नं० एफ2/8

उत्तर : जायदाद नं० एफ-3/9

दक्षिण : रोड।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी०आर० नं० 62/19202—यतः मुझे पी०
रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 132 है, तथा जो पटानदूर अगाराहा गांव
के० आर० पूरम होबली बंगलूर दक्षिण तालुक-560048 में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर दक्षिण
दस्तावेज सं० 1762/78-79 तालुक में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धारा की बात उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या धन आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात :—

1. मैं छारलू इंडस्ट्रीज और अब वाईट फीलड इंडस्ट्रीज
के नाम से है। तथा जो सं० 41-43 लावले रोड
बंगलूर-1 में है उनके पारटनर श्री बागर नागमोषण
रेप्रेजेंट कर रहे हैं।

(अन्तरक)

2. मैं योकेब इवडिया लिमिटेड वाइट फीडल रोड,
बंगलूर-560048।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1762 ता० 21-7-78)

3755.65 स्क० मीटर खाली जगह जो सर्वे सं० 132
पटनदूर अगाराहा गांव के० आर० पूरम होबली बंगलूर दक्षिण
तालुक और उसके साथ 393.50 स्क० मीटर घर बना हुआ
है।

पूर्व : श्रीनिवासा स्टेट (पी) लिमिटेड की सम्पत्ति जो
अलग दस्तावेज में।

परिणाम : वही

उत्तर : सर्वे सं० 135

दक्षिण : सर्वे सं० 131।

पी० रंगानाथन
मक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर।

तारीख : 28-12-1978
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी०आर० नं० 62/19204/78-79/एक्यु०/

बी—यतः मुझे, पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 132 है, तथा जो पटानदूर अगाराहर गांव के० आर० पूरम हाबली बंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर दक्षिण तालुक दस्तावेज सं० 1761/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-7-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स श्रीनिवासा एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड जो उनके डाईरेक्टर रेप्रेंट कर रहे हैं पता सं० 74, नरासिमहराजा रोड बेंगलूर-560002।

(अन्तरक)

2. मैसर्स यूकेन इंडिया लिमिटेड वाइट फील्ड रोड बेंगलूर-560048।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1761/78-79 ता० 17-7-78)

19514.35 स्क० मीटर खाली जगह जो सर्वे सं० 132, पटानदूर अगाराहार गांव के० आर० पूरम हाबली बेंगलूर दक्षिण तालुक में है।

बौनडारीस पूर्व : गांव का रोड

12265.69 पश्चिम : छारलू इंडस्ट्रीज की सम्पत्ति जो स्व० मीटर मैसर्स इंडियाने अलग दस्तावेज से ली है।

उत्तर : सर्वे सं० 135

दक्षिण : सर्वे सं० 131

7248.73 पूर्व : छारलू इंडस्ट्रीज की सम्पत्ति जो याकोन इंडिया ने अलग दस्तावेज से ली है।

पश्चिम : श्री एम० रामचंद्रन सम्पत्ति

उत्तर : सर्वे सं० 135

दक्षिण : सर्वे सं० 132।

पी० रंगानाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/19412/78-79/एक्यु०/
बी—यतः मुझे, पी० रंगानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 98/1 है तथा जो VI मेन रोड मल्लश्वरम,
बेंगलूर-560003 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजाजीनगर, बेंगलूर दस्तावेज सं० 1543/78-79
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सी० चन्मौली

(2) श्री सी० अशोक सं० 112-ए, 11 काम रोड,
मल्लश्वरम, बेंगलूर-560003।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एच० आर० सुनन्दा पत्नी श्री रंगास्वामी, सं०
116, मागडी रोड, धोरड रोड, बेंगलूर-560040।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1543/78-79 ता० 5-7-78)

घर सम्पत्ति और जो क्यू० जमीन तथा जो सं० 696
बी और तथा सं० 98/1, मेन रोड मल्लश्वरम बेंगलूर-
60003 (डिवीजन सं० 4)।

पी० रंगानाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 31-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 31 जनवरी, 1979

निर्देश सं० सी० आर० सं० 62/19973/78-79/ए०
सी० क्यू-बी-यतः मुझे पी० रंगानाथन
अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 79/4 है, तथा जो 10 कास, भागडी रोड़,
बेंगलूर-23 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजाजी नगर, बेंगलूर दस्तावेज सं० 1132/78-79 में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन, तारीख
4-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री देसू रामप्रान्तजानेयलू सं० 770, ब्लॉक,
राजाजी नगर बेंगलूर-560010।

(अन्तरक)

2. श्री डी० आर० यती मादवर ने गरुडियन श्रीमती
डी० आर० अमवथममा 770, ब्लॉक, राजाजी
नगर बेंगलूर-560010।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ है, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1132/78-79 तारीख 4-7-1978)

घर सम्पत्ति दक्षिण ओर पर है सं० 79/14 तथा जो 10
कास भागडी रोड़ डिजीजन 13 बेंगलूर-23 में है।

पी० रंगानाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 31/1-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 31 जनवरी, 1979

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/19988/78-79/एक्यू०/
बी—यतः मुझे, पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़िमकी सं० 79/4 है, तथा जो 10 काम मागडी रोड बेंगलूर डिवीजन-13 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजी नगर, बंगलूर दस्तावेज सं० 1197/78-79 ना० 11-3-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-7-1978 को

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4-6GI/79

1 श्री देसू रामग्रानजानेएल्लु सुपुत्र देसू नारायणस्वामी
चडी सं० 770, V ब्लॉक, राजाजी नगर बेंगलूर-
10।

(अन्तरक)

2. श्री डी० आर० नातेष बाबू माधनर सुपुत्र देसू रामग्रान-
जानेएल्लु मे गारडियन श्रीमती डी० आर० असव-
थम्मा सं० 770, 5 ब्लॉक, राजाजी नगर, बेंगलूर-
10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के तहत लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1191/78-79 ना० 11-7-78)

घर सम्पत्ति तथा जो पश्चिम ओर पर है जिसका
मुनस्पील सं० 79/4 है तथा 10 काम मागडी रोड, बेंगलूर-
डिवीजन-13।

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 31-1-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 फरवरी 1979

निर्देश सं० नं० सी०आर० 72/230360/78-79/एक्यू०/
बी—यतः मुझे पी० रंगानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 227/26, 39 है, तथा जो 'सी' क्लास
ब्लॉक, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जयनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्त
म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ग की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० एच० एम० खाच्या सुपुत्र हीराचंद, नं०
226/39, सी क्लास, 5 ब्लॉक, जयनगर, बेंगलूर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती जयलक्ष्मी कृष्णन, पत्नी श्री के० सी० कृष्णन
नं० 130, सुवेता स्ट्रीट, अन्नासवाद, तेहमन, इमन
रिप्रेजेंटेड वाय हर जी०पी०ए० होल्डर्स, श्री एम० ए०
वेंकटरमन सुपुत्र अम्पादोर अय्यर, नं० 12/10,
विश्वेश्वरम्पा लोओर 4 ब्लॉक, पूर्व जयनगर, बेंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1170/78-79 ता० 10-7-78)

सारा सम्पत्ति का नं० 227/26, 39 'सी' क्लास, 5
ब्लॉक, जयनगर, बेंगलूर - 11।

चक्रबंदी उत्तर : रोड़

दक्षिण : खाली जगह का नं० 238

पूर्व : खाली जगह का नं० 228 और

पश्चिम : रोड़।

पी० रंगानाथन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 1/2/79
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/20060/78-79/एक्यु०/बी—
यतः मुझे पी० रंगनाथन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1389/ए/52 है तथा जो बुल्ल टेंपल रोड, पूर्व बंगलूर-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन गुडी बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-7-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निजगुण स्वामीगलु मठाधिपति अंगमठ मुंदेन-हल्लि) गांवपुर एक्स्टेंसन पेन II रोड बंगलूर-19।

(अन्तरक)

2. अखिल भारत श्री राघवेंद्र सेवा समिति (Regd.), सं० 101 आर० बी० रोड, बसवनगुडी बंगलूर-4, रिप्रेजेंटेटिव वाई श्री एच० आर० सुब्रामण्यम अध्यक्ष और श्री वाई० बी० केशवमूर्ति प्रेजिडेंट और Hon. सेक्रेटरी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1044/78-79 तारीख 3/7/78)

मारा सम्पत्ति का सं० 1389/ए/52 बुल्ल टेंपल रोड पूर्व बंगलूर-19।

चक्रवर्दी पूर्व: बुल्ल टेंपल रोड

पश्चिम: खाली जगह का सं० 1388 और बी० एम० एम० कालेज

उत्तर: रोड और

दर्शण: बी० एम० एम० इंजीनियरिंग कालेज।

पी० रंगनाथन्

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख: 14-2-79

मोहर:

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 17 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/20056/78-79/एक्यु० (बी)---
यतः मुझे पी० रंगानाथन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 566 और है, तथा जो नया नं० 17
मज्जनमठ रोड, बी० वि पुरम बंगलूर-560004 में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी बंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 11-7-1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में आम्बविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती बी० पद्मावसम्मा पत्नी रामय्या सेट्टी नं० 17
बुर्गलमठ रोड बी० बी० पुरम बंगलूर-560004।
(अन्तरक)

2. श्री बालकृष्ण सुपुत्र श्री एस० दोडानंजप्पा नं० 5
नारायन सेट्टी पेट बंगलूर।
(अन्तरिती)

3. (1) श्री पी० आर० मुत्तिरंत
(2) श्री डी० टी० नारायण मूर्ति
(3) श्री कृष्णमूर्ति
(4) श्री टी० एस० सब्बय्या सेट्टी।
(वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

4. (1) श्री टी० आर० जीकटप्पा सेट्टी
(2) श्रीमती टी० एस० परिमला पत्नी टी० आर०
श्रीकटप्पा।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभा सम्पत्ति त अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।
उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1145/78-79 ता० 11-7-78)

सारा सम्पत्ति का पुराना नं० 566 और नया नं० 17,
मज्जनमठ रोड बी० बी० पुरम बंगलूर-560004।

चक्रवर्दी पूर्व: रोड
पश्चिम: श्री वेकटतजप्पा सेट्टी का घर
दक्षिण: श्रीमती गिरिजम्मा का आस्ति
दक्षिण: श्री दुव्वय्या सेट्टी का घर।

पी० रंगानाथन्
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 17-2-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश सं० पी० आर० 645/ए० एक्जु० 23-1220/6-1/78-79—यतः मुझे एस० सी० परीख मक्षम प्राधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्यायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 65 खुली जमीन है तथा जो नागरवाडा कारेली बाग विस्तार बड़ोदा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन 1-7-78 और 4-7-1978 को प्रदात सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी जन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भाईलालभाई जीमजीभाई पटेल नागरवाडा गेट कालिया बड़ोदा।

(अन्तरक)

2. प्रेजिडेंट अध्यापक नगर को० आपरेटिव हाउसींग सोसाइटी लि० मारफत: डेकोलार्ड बड़ोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त न्यायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो रे० सं० नं० 65, नागरवाडा कोरली बाग विस्तार, बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 1 एकड़ 31 गुंथा (एक्की) है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा द्वारा दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2458/1-7-78 और 2458/4-7-78 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 22-1-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

1. श्री गीरीश कुमार काकुभाई वाडन रोड, सूर्य एपार्टमेंट्स
ब्लॉक नं० 304, बम्बई-26 ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती कमलादेवी गोविंददास उदेशी 'बीमल राउस'
बम्बई गेरेस के सामने गोंडल रोड राजकोट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अहमदाबाद, दिनांक 23 जनवरी 1979

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-I-1799(773)/16-6/
78-79—यतः मुझे एम० सी० परोख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० बीमल राउस नामक तीन मंजिल का मकान
है तथा जो गोंडल रोड बम्बई गेरेस के सामने राजकोट में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 26) के अधीन तारीख
6-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

'बीमल राउस' नामक मकान जो गोंडल रोड, बम्बई गेरेस
के सामने राजकोट में 285-5-85 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली
जमीन पर स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 2756/
6-7-78 में दिया गया है ।

एम० सी० परोख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 23-1-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बाजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० पी० आर० 646/एस०एस०-23-1253/19-2/
78-79—यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1)
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 15, श्री चल्थान घिमोग खांड
उद्योग महुकारी मडली लिमिटेड है तथा जो चल्थान रेलवे स्टेशन
के पास चल्थान में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जुलाई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अधीन
संरक्ष में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि :—

1. श्री खेडन सहकारी जिनिंग एण्ड प्रेसिंग सोसाइटी लि०
प्रेसीडेंट मंगुभाई लालुभाई देसाई, पलमाना, मेनेजर :
मंगनभाई भीखाभाई पटेल, बालन।

(अन्तरक)

2. श्री चल्थान विभाग खांड उद्योग सहकारी मंडली लि०
प्रेसीडेंट : ठाकोर भाई नरोत्तमभाई पटेल खंभासाला,
डि० सूरत, मेनेजिंग डायरेक्टर : भानु प्रसाद छोटा
लाण झा, चल्थान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वसहीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 15 चल्थान रेलवे स्टेशन के पास, चल्थान
जिला सूत में स्थित जमीन और मकान जो 6 एकड़ 6 गथा
जमीन पर स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कामरेज
द्वारा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 183/78 में प्रदर्शित है जो
दस्तावेज 15-7-1978 के परखवाड़े में दर्ज है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० पी० आर० 647/ए सी० भय० 23-1254/19-7/
78-79—यतः, मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 127 में से 96-97 है तथा जो सुल्तानाबाद, डुमस के पास, सूरत में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री चिम्नलाल मूलचन्द रेशमवाला चन्द्रकांत मूलचन्द रेशमवाला, नवापारा गोलवाड़, फकीरा पुजा नीं गेरी, सूरत। (अन्तरक)

2. श्री गोविंदभाई डाहियाभाई पटेल, गांव भीमपूर, ता० चोरियासी, जिला सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सर्वे नं० 127 में से सं० 96, 97 सुल्तानाबाद, डुमस के पास, जिला सूरत में स्थित है जसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा 17-7-1978 को दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3084 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1979

निवेदन सं. पी० आर० 648/एसी-क्यू 23-1255/6-1/
78-79—यतः, मुझे, एस० सी० परीखआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक हैऔर जिसकी सं० नं० 335/18 है तथा जो दिघबाई माता
रोड, प्रताप नगर, बड़ोदा में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 21-7-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उन प्रकरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया
है।—(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, धारता:—

5-6G1/79

1. श्री मंजूला पूनम चन्द शाह, बेटम हिल, 41 पालीहिल
रोड, वादा (पश्चिम) बम्बई-400050।

(अन्तरक)

2. समर्थ शांति पार्क को० आ० हाउसींग सोसायटी लि०,
मारफत: निर्माण कमलटेन्ड, 17, गोकुल सोसायटी,
प्रतापनगर, बड़ोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 335/1 की दिघबाई माता रोड,
प्रतापनगर, बड़ोदा कसबा, बड़ोदा में स्थित है और जिसका
कुल माप करीब 1 एकड़ 1 गुथा है जो 43.674 वर्ग फुट
के बराबर है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बम्बई द्वारा दर्ज
किये गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० आर०-671/78 में प्रदर्शित
है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 2-2-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए०सी० क्र० 23-1/1889/1-I (पी०आर० 777)/78-79—यतः मुझे एम० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 66-2-2-टी०पी० एम० नं० 20 एफ० पी० नं० 167 पैकी प्लॉट नं० 2 है तथा जो मीठाखड़ी एलियाड चंगीसपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुवता गौरी, जेठालाल अचराम ई की पत्नी, कैलाश कृष्ण गोमायटी, लाल बंगले के पीछे, एलियाड चिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 (1) श्री अविद चंदुलाल शाह

(2) हेमेश चंदुलाल शाह पांजरापोल, रिलीफ रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो सं० नं० 66-2-2 एफ० पी० नं० 167 पैकी सब-प्लॉट नं० 2 टी० पी० एम० नं० 20 में 419 वर्ग गज जमीन पर स्थित है और मीठाखड़ी एलियाड चंगीसपुर, एलियाड चिज, अहमदाबाद में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अहमदाबाद द्वारा दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4437/जुलाई 1978 में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1979

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1979

निदेश सं० पी० आर० 644/ए०सी वयु० 23-1195/
19-8/78-79—यतः मुझे ए०सी० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 195, उधना जिला सूरत है तथा
जो सुगर डाईंग लेन, वेस्ट चेनल्म के सामने सूरत में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरीनाथ ठाकरणी वीमडा गेरी, हरीपुरा, सूरत।
(अन्तरक)

2. श्री ग्रहण कुमार नारनदास त्रिवेदी अर्धान्त नर्गिन
दाम शाह वसंत गांडाभाई चपतथाला 11-किरण
एपार्टमेंट्स, अठवागेट, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सर्वे नं० 195 उधना, जिला सूरत
(उधना से लगभग 4 कि० मी० दूर सुगर डाईंग लेन के पास,
वेस्ट चेनल्म के सामने) स्थित है जिसका कुल माप 1076-90
वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा जुला
1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3031 में
उद्घातित है।

ए०सी० सी० परीख

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख: 15-1-1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-1-1806(779)/16-1/78-79—यतः मुझे एम० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 56 गंगासीनेमा प्रख्यात सीनेमा थियेटर (15% हिस्सा) दुकानें सहित है तथा जो भाकुंभाजीपरा, धोराजी, जिला राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धोराजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महेंद्री हवीभाई बुधवानी खाखरापुर, धोराजी जिला-राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीनावन्ती हीराजी राभीया वीरा स्टोर्स मारफत क्राफर्ड मारकेट वम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकानें सहित मकान जो प्लॉट नं० 56 में स्थित है तथा गंगा सीनेमा नाम से प्रख्यात है (पैकी जमीन जिसका क्षेत्रफल 3562-7-6 वर्ग गज है) (15% हिस्सा) जो भाकुंभाजीपरा धोराजी जिला राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धोराजी द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 489/7-3-1978 से रजिस्टर्ड किया गया है याने जिसमें प्राप्ति का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I अहमदाबाद।

तारीख: 9-2-1979

मोहर :

प्रकृष प्राई०टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए०सी०क्यू०-23-I-1807 (780)/16-1/78-79—यतः मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 56 गंगा सिनेमा नाम से प्रख्यात थियेटर (15% हिस्सा) दुकाने स्थित है तथा जां आकुंभाजीपरा धोराजी जिला राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धोराजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन 7-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्रीमती कुलसुम एम० धाराजी गलेवसी सिनेमा मारफत धोराजी जिला राजकोट।
(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र लीलाधर बीरा स्टोर्स मारफत क्राकड मार्केट बम्बई।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये गया है।

अनुसूची

मकान गंगा सिनेमा नाम से प्रख्यात और दुकाने सहित प्लॉट न० 56 में (पैकी जमीन 3562-7-6 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली) (15% हिस्सा) जो आकुंभाजीपरा धोराजी जिला राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धोराजी द्वारा बिक्री दस्तावेज न० 488/7-7-78 रजिस्टर्ड किया गया है, याने जिसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-2-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-2-1800(784)/16-6/78-
79—यतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० नाला में खुला प्लॉट है तथा जो के वडावाडी
मेन रोड, केनाल रोड के पास राजकोट में स्थित है (और हमसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्येक व हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित :—

1. श्री मोहनलाल नरसीभाई टंकरीया बम्बई के।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रमागौरी मनसुखलाल टांक 7, लक्ष्मीवाडी,
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नाला में खुली जमीन प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 245 वर्ग
गज है जो के वडावाडी मेन रोड केनाल रोड के पास राजकोट
में स्थित है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज
नं० 2767 जुलाई 1978 में रजिस्ट्री किया गया यानि उसमें
मिल्कत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

तारीख : 23-2-1979

मोहर :

पका पाई० टी०एन० एम०-----

1. श्री मोहनलाल मन्जीभाई टंकरीया बम्बई के।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मनमुखलाल नरसीभाई टांक 7 लक्ष्मीवाडी राजकोट

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उन मर्राति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० ए०सी०क्यू० 23-1-1800(785)/16-6/
78-79—यतः मुझे एम० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० नाला में खुला प्लाट है तथा जो केवडावाडी
मेन रोड कनाल रोड के पास राजकोट में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह्र त्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिना
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

नाला में खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 245
वर्ग गज है जो केवडावाडी मेन रोड कनाल रोड के पास
राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा
बिक्री दस्तावेज नं० 2766/जुलाई 1978 से रजिस्ट्री किया गया
है याने उसमें मिलकत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश नं० ए०सी०क्यू० 23-I-1904(791)/1-1/78-79—यत् मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० एक० पी० नं० 94 सब-प्लॉट नं० 3 टी० पी० एस० 19 है तथा जो उस्मानपुरा नवरंग हाई स्कूल के पीछे अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :—

1 श्रीमती डाहीबेन मानेकलाल छोटावाल की विधवा
लाथ बाबा नो टिम्बो दरियापुर अहमदाबाद।
(अन्तरक)2. मैमफं जगन्निर्माण को० आ० हाउसींग सो० लि० की
ओर में—चेयरमैन : गिरीशभाई मयनलाल भानानी
पथिक सोमाईटी नारनपुरा अहमदाबाद
सेक्रेटरी : भीष्मालाल कान्तीलाल शाह जनीनी पोथ
सांकडीशेरी अहमदाबाद।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो एक० पी० नं० 94 सब प्लॉट नं० 3 टी०पी एस०-19, उस्मानपुरा, नवरंग हाई स्कूल के पीछे, अहमदाबाद में स्थित है जैसा कि 31-7-1978 को दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7511 में प्रदर्शित है (जिसका कुल माप 2100 वर्ग गज है)।

एस० सी० परीख

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० करवीर/नोदे 78/419—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० रग सर्वे क्र० 1325/204 है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्हापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
6—6GI/78

1. मैमर्न न्यू युनाइटेड इंजीनियरिंग वर्क्स
पार्टनर (1) श्री गोपाल दत्तामय चव्हाण प्लॉट
क्र० 8, प्रतिभातनगर, आर वार्ड कोल्हापुर
(2) श्री पांडुरंग गोविंद पाटील, हीय क्र० 2508
ए वार्ड कोल्हापुर।

(अन्तरक)

2. चंद्रकांत केशवराव जाधव 2267, बी० वार्ड
कोल्हापुर:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुळशी जिला कोल्हापुर, पोस्ट तुळशी, तहसील करवीर ई वार्ड, उद्यमनगर कोल्हापुर, सीटी सर्वे क्र० 1325/204 क्षेत्रफल 245 वर्ग मीटर (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2795 दिनांक 3-11-78 को सब रजिस्ट्रार करवीर के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-3-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्लॉट क्र० 31, भावकर, भवन, गणेश खिड रोड

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० सोलापूर/दोनोई-78/418—यत मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 8636 क्षेत्र 98 है तथा जो सोलापूर में स्थित है (आर दफ्तरे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार सोलापूर रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयप्राप्त गगन गोलन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मांत:—

1. श्री अब्दुल वारिस
2. श्री अब्दुल बारी
3. श्री अबु जुफर
4. श्री अहमद अजिज शेख
5. रेलवे लाईन्स सोलापूर।

(अन्तरक)

2. 1. श्री नंदकुमार
2. श्री राजाराम
3. श्री प्रकाश भिकाजी
4. श्री पंतोय व्यक्तेश भिकाजी
5. श्रीमती रत्नाबाई भिकाजी रेवणकर, 98 गोल्डफिच रोड सोलापूर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सीटी सर्वे नं० 8636, होम क्र० नं० 98, गोल्ड फिच रोड, सोलापूर क्षेत्रफल-461.4 वर्ग मीटर (जिसे की रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 2138 दिनांक 1-11-78 को सब-रजिस्ट्रार सोलापूर दफ्तर में लिखा है।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-3-79

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० भिवंडी/सं० 78/423—
यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 131 हिस्सा नं० 1 है, तथा जो
भिवंडी में स्थित है (और हमें उपावृद्ध यन्त्रों में और पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम०
आर० भिवंडी में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 1-9-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य यास्नियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुटुमल तरेमल जैन एण्ड आदम भिवंडी, ला०
ठाना।

(अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल रामलाल दोडिया मन ऑफ रामलाल
दोडिया अर्वा प्रॉफ मैमर्स रामलाल एन० दोडिया
भिवंडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या मसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, पण्डितहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, क प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 131 हिस्सा नं० 1, भिवंडी, क्षेत्रफल-1780 वर्ग
गार्डम। (जैम की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 739 दिनांक 1-9-
78 को सब रजिस्ट्रार भिवंडी के दफ्तर में लिखा है।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

तारीख : 7-3-79

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्लॉट क्र-31, भावकर भवन, गणेशाखिड रोड,

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० भिवंडी/मितम्बर-78/
421—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
क स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी सं० सर्वे नं० 131 हिस्सा नं० 1 है, तथा जो
कामतधर ता० भिवंडी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सब-रजिस्ट्रार भिवंडी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-9-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र कुमार फुटरमल तर्फे फुटरमल मन्मलजी
172, जैन पार्क, ब्लॉक नं० 301-ए म्युन्सिपल
हाउस नं० 27, भायरखला मुंबई।

(अन्तरक)

2. मैमर्न कमल डाईंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स नारपोली,
भिवंडी, ता० ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 131 हिस्सा क्र० 1, कामतधर ता० भिवंडी
ता० ठाणा (जैमे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 737, दिनांक 1-9-
78 को सब-रजिस्ट्रार भिवंडी दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-3-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० करवीर/नोहे 78/420-यन. मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 2094 है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार करवीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अर्जुन गणेश जामनडेकर 1113-ई वार्ड स्काईस एकेस्टेशन कोल्हापुर। (अन्तरक)

2. मैमर्स टेबे स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लि० श्री मंदार माधव टेबे सी० वार्ड सीटी सर्वे नं० 1355 लक्ष्मी पुरी, कोल्हापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और पिटो सर्वे नं० 2094 ई० वार्ड कोल्हापुर क्षेत्रफल - 31400 वर्ग फुट

(जैवली रजिस्ट्रीकरण विवेक नं० 2873 दिनांक 9-11-78 को सब-रजिस्ट्रार करवीर के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, पूना

तारीख : 7-3-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

प्लॉट नं० 31, भायकर भवन गणेशखिड रोड, पूना-411005

पूना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश नं० सी० ए० 5/एम० आर० भिवंडी/मिनस्वर-78/
422—यह मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० नं० 131, हिस्सा नं० 1 है तथा जो कामतधर
गाव भिवंडी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सब-रजिस्ट्रार भिवंडी में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिन, तारीख 1-9-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वस्थ सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके
दृश्यमान प्रतिकर से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का अन्तर्ह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिको
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण करने तथा पाया जा
प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में किया गयी किता गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किता प्राय की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमा करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किता और या किता वत या अन्य मामलियों,
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
मे, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पोस्टलाल फुडरमल नर्से फुडरमल सरेमल जैन
172, मनीषा जैन पार्क, ब्लॉक क 301 ए०
म्युन्सिपल होम नं० 27 भायखवा भुवई।
(अन्तरक)

2. श्री मैमर्न कमल डाईंग एण्ड रिटिंग वर्क तारपोठी
भिवंडी ता० राता।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्य में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ता रि क पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 131, हिस्सा नं० 1 ता० भिवंडी क्षेत्रफल
7381 वर्ग यार्ड में से 4933 वर्ग यार्ड में।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 738 दिनांक 1-9-78
की सब-रजिस्ट्रार भिवंडी दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
मक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, पूना

तारीख 7-3-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० ठाना/दिसम्बर-78/
426—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललबानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मन्त्रिम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र 56 सर्वे क्र० 42/12 है तथा जो
मौजे पंचपाखडी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सब-रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशियाँ
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित (वास्तविक) हैं :-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय सम्पत्ति या अन्य आसियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

1. श्रीमती कीमत्यादेवी वर्मा 15, मेफेअर, बीर नरीमन
रोड मुंबई-20।

(अन्तरक)

2. मैमर्म् डब्ल्यू जी० फोर्ज एण्ड अलाईड इंडस्ट्रीज कं०
लि० ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रकरण 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा :- गट क्र० 56 सर्वे क्र० 42 हिस्सा क्र०
1/2 3 38 1/12 हिस्सा मौजे पंचपाखडी ता० डि० ठाना।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 498 दिनांक 4-12-
78 को सब-रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललबानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० ठाना/दिसम्बर-78/425—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42 है तथा जो मौजे पंचपाखड़ी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहे या, छपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीपक टेकचन्द वर्मा 6, रवीन्द्र मैनशन, दिनेश वाच्छा रोड़, मुंबई-20।

(अन्तरक)

2. मैमर्स डब्ल्यू० जी० फोर्ज एण्ड आलार्ड इंडस्ट्रीज कं० लि० ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा :—गट क्र० 56 सर्वे क्र० 42 हिस्सा क्र० 1/2 पार्ट एरिया 3.38 1/6 हिस्सा मौजे पंचपाखड़ी, ता० ठाना।

(जिसे की रजिस्ट्रीकरण विलेख क्र० 499 दिनांक 4-12-78 को सब रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 16-3-79
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० ठाना/दिसम्बर-78/428—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 56 सर्वे क्र० 42/12 है तथा जो मौजे पंचपाखडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत्:—

7-6G1/79

1. श्री धर्मेश टेकचन्द वर्मा वीर नरीमन रोड, 15 मेफेअर, मुंबई-20 ।

(अन्तरक)

2. मैमर्स डब्ल्यू० जी० फोर्ज एण्ड ग्लाइड इंडस्ट्रीज क० लि० ठाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा:—गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42/12 प्लॉट एरिया 3.38 1/2 हिस्सा मौजे पंचपाखडी ता० एण्ड डी० ठाना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण विलेख क्र० 497, दिनांक 4-12-1978 को सब-रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है) ।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना,

तारीख: 16-3-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० ठाना/दिसम्बर 78/
430—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० गट क्र 56, सर्वे क्र० 42 हिस्सा क्र० 1/2 है
तथा जो मौजे पंचपाखडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री हरदयाल वर्मा तर्फ दीपक टेकचंद
वर्मा 6, रवीन्द्र मैन्शन, दिनेश वाच्छा रोड़ मुंबई-
20।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डब्ल्यू० जी० फोर्ज एण्ड अलाईड इंडस्ट्रीज
क० लि० ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन :—गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42, हिस्सा क्र० 1/2
पार्ट एरिआ 3.38 1/6 हिस्सा, मौजे पंचपाखडी, ता०
ठाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 503, दिनांक 4-12-
78 को सब-रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० ठाना/दिसम्बर-78/431—यत. मुझ, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42/ हिस्सा क्र० 1/2 है तथा जो मौजे पचपाखडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० आर० ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वीरबाबा रेडी 15 मेफअर, बीर नगीमन रोड
मुंबई क्र० 20।

(अन्तरक)

2. मैमर्स डब्ल्यू० जी० फोज़ अलाईड इन्डस्ट्रीज क० लि०
ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा.—गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42 हिस्सा क्र० 1/2 पार्ट परिया 3 38 1/6 हिस्सा, मौजे पचपाखडी ता० डि० ठाना।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 500 दिनांक 4-12-78 को सब-रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 16-3-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च, 1979

निदेश सं० सी० ए० 5/एम० आर० सोलापूर/सितम्बर-78/424—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे क्र० 4148 है तथा जो सोलापूर में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार सोलापूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवान लाला कुलबुले 202/7 शुक्रवार पेठ, सोलापूर।

(अन्तरक)

2. श्री फकीर अहमद महमद शरीफ, नाडेवाले श्रीमती भुबेदाबाई पाशा मिया हाजी 612, मंगलवार पेठ, सोलापूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी:—सीटी सर्वे क्र० 4148, सोलापूर

क्षेत्रफल —68.6 वर्ग मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2273 सितम्बर 78 को सब रजिस्ट्रार सोलापूर के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-3-79

मोहर:

प्रश्न आई० टी० ए० एम०-----

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० ठाना/दिसम्बर-78/
427—यत्. मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42 हिस्सा 1/2 है तथा जो मौजे पचपाखडी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब को उल्लंघन (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती भावित्री हरदयाल वर्मा श्री दीपक टेकचंद वर्मा, 6 खोत्रा मंथान दिनेश वाच्छा रोड मुबई-20 श्रीमती कामलयादेवी टेकचंद वर्मा, 15 सफेअर बीर नरीमन रोड, बम्बे-20।

(अन्तरक)

2 श्री डब्ल्यू० जी० फोर्ज एण्ड अनाईड इंडस्ट्रीज क० लि० ठाना।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अड्डाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा—गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42 हिस्सा क्र 1/2 एम्मा—3 38 1/12 हिस्सा मौजे पचपाखडी ता० ठाना)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 502 दिनांक 4-12-78 को मंत्र रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, पूना

तारीख : 16-3-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० ठाना/दिसम्बर-78/
429—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रयोजन मन्त्र अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 56 सर्वे 42 हिस्सा क्र० 1/2 है तथा
जो मौजे पंचपाखडी में स्थित है (और इस उपाखंड अनुसूची
में और पूर्ण रूप से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सब रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(i) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री दीपक टेकचंद वर्मा

(2) श्रीमती सार्वत्री बाई हरदयाल वर्मा 6 रवींद्र
मैन्शन दिनेश वाच्छा रोड मुंबई-20।

(3) श्रीमती कौमल्यादेवी टी० वर्मा 15, मेफेयर
वीर नरीमन रोड, मुंबई-20।

2. मैमर डब्ल्यू० जी० फोर्ज एण्ड अनाईड इंडस्ट्रीज कं०
लि० ठाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा—गट क्र० 56 सर्वे क्र० 42 हिस्सा क्र०
1/2 प्लॉट एरिया 3.38, —1/6 हिस्सा।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 503 दिनांक 4-12-78
को सब रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख: 16-3-79

मोहर:

प्रारूप भाई० डी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० करवीर/नवम्बर 78/423—यत् मुझे श्रीमती पी० ललबानी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 609 है० आर० 7.58 है तथा जो तहसील करवीर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार करवीर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

- (6) अन्तरण में हुई किताबों की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रत्नप्रभा विष्वासराव धोरपूडे बॉर्ड ई० 334, दत्तवाड हाउस, न्यू शाहपुरी कोल्हापुर। (अन्तरक)
2. (1) श्री भिगाप्पा रत्नाप्पा हिमगिरे
(2) श्री रामचंद्र महादेव भगदुम
(3) श्रीपाल कल्लप्पा चौगुले
(4) श्री चरित्र कल्लप्पा चौगुले, 3/4 दत्तवाड ता० शिरोल डि० कोल्हापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा—गट क्र० 609 है० आर० 7.58 तहसील करवीर ता० शिरोल, डि० कोल्हापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 66 नवम्बर 1978 को सब रजिस्ट्रार करवीर के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललबानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, पूना

तारीख 16-3-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, जयपुर कार्यालय

जयपुर, दिनांक 29 जनवरी, 1979

निर्देशन सं० राज०/महा० आ० अर्जन/514—यतः मुझे
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-8
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी रश्मि बमल, पुत्री श्री कृष्ण बमल प्लाट नं०
ए-27, कान्तीचन्द्र रोड, बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री महेश कुमार, ई-8,
बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरिती)

3. मैमर्स मेटोडेक्स सिस्टम्स (प्रा०) लिमिटेड, जयपुर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. (किरायेदार)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गुलाब पथ, चौम हाउस, जयपुर में स्थित गोदाम नं० 1
पर एक फ्लैट जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1785
दिनांक 1-8-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
में विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर)

तारीख : 29-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/515—यतः, मुझे,
हरी शंकर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० गोदाम नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
अनुधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी रश्मि बंगल पुत्री श्री किसन बंगल निवासी प्लॉट
नं० ए 27, कार्नातिनगर रोड, बनीपार्क, जयपुर ।
(अन्तरक)

2. श्री विदेश कुमार पुत्र श्री गोपालराम खंडेलवाल ई-8
बनीपार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

3. समर्थ पोदार स्पीनिंग मिल्स, जयपुर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

गोदाम नं० 1 का ग्राउन्ड फ्लोर पोरसन, गुलाब पथ, चौमू
हाउस, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर जो उप-पंजीयक, जयपुर
द्वारा क्रमांक 1784 दिनांक 1-8-78 पर पंजीबद्ध धिक्कृत पथ
में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 29-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/516—यतः, मुझे,
 श्री शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम नं० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 24-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुमारी रश्मि बंसल पुत्री श्री कृष्ण बंसल, प्लाट नं०
 ए-27, कान्तीचन्द्र रोड, बनीपार्क, जयपुर।
 (अन्तरक)

2. श्री ओमप्रकाश एवं दामोदर पुत्रान श्रम बिलास राय
 बागोरिया 144 ई, महारानी गायत्री देवी मार्केट
 जयपुर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

गोदाम नं० 2, गुलाब पथ, चौमू हाउस, सरदार पटेल मार्ग
 जयपुर पर स्थित एक प्लेट जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा
 क्रमांक 1693 दिनांक 24-7-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
 और विस्तृत रूप से विवरणित है।

श्री शंकर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेज, जयपुर

तारीख : 29-1-1979
 मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/517—यतः, मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम नं० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय के दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी छन या धर्म्य धास्तियों को
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. कुमारी रश्मि पुत्री श्री कृष्ण बंसल प्लॉट नं० ए-27,
कान्तीचन्द्र रोड, बनीपार्क, जयपुर ।

2. श्री बिलासराय बागोरिया एवं श्री राजेश कुमार पुत्र
श्री बिलासराय बागोरिया, ई-144, महारानी गायत्री
देवी मार्केट, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर पोरशन आफ गोदाम नं० 2, गुलाब पथ, चोमू
हाउस, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर एवं जो उप-पंजीयक, जयपुर
द्वारा क्रमांक 1694 दिनांक 24-7-78 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र
म और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 29-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/78-79/530—यतः,
मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माधुः—

श्री मनफूल राम पुत्र चेतन राम कुम्हार, चक्र सं० 6-ई छोटी तहसील श्री गंगानगर

(अन्तरक)

2. श्री छगन लाल नागौरी पुत्र कालूराम द्वारा नागौरी आयकर स्टोर, धान मंडी, श्री गंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरतम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बीघा और 17 बिस्वा कृषि भूमि जो 6 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उपपंजीयक श्री गंगानगर द्वारा क्रमांक 1536 दिनांक 22-8-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 6 मार्च, 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/78-79/531—यतः,
मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 31 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1. श्री मनफूल राम पुत्र श्री चेतन राम कुम्हार चक
6-ई छोटी, श्री गंगानगर

(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री छगनलाल अग्रवाल द्वारा नागौरी
आयरन स्टोर, धान मंडी, श्री गंगानगर (राज०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बीघा कृषि भूमि खाता न० 31, जो 6-ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उप पंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा क्रमांक 1745 दिनांक 14-8-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 6-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/78-79/532-

यतः मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री मनफूल राम पुत्र चेतन राम कुम्हार चक 6-ई छोटी, श्री गंगानगर (राज०) । (अन्तरक)

2. श्रीमती मीना देवी पत्नी छगनलाल अग्रवाल द्वारा नागौरी आयरन स्टोर धान मंडी, श्री गंगानगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

किला नं० 16 की एक बीघा कृषि भूमि जो चक 6-ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उप पंजियक श्री गंगानगर द्वारा क्रम सं० 1744 दिनांक 6-9-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 6 मार्च, 1979

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जुन/533—यतः, मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
27-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनफूल राम पुत्र चेतन राम कुम्हार चक 6-ई छोटी,
श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

2. श्री मुरिन्दर कुमार पुत्र छगन लाल अग्रवाल द्वारा
नागौरी आयरन स्टोर, धान मंडी, श्री गंगानगर।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बीघा कृषि भूमि जो किला नं० 15, जो चक 6-ई
छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उपपंजियक, श्री गंगानगर
द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र सं० 1535 दिनांक 27-7-78 में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 6 मार्च, 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर कार्यालय

जयपुर, दिनांक 19 मार्च 1979

निर्देश सं० राज/महा० आ० अर्जन/537—यतः, मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बनवारी लाल पुत्र श्री बदरी चन्द जाति अग्रवाल, निवासी जनमानगढ़ टाउन, चित्तौड़गढ़ जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तो पति श्री दूले सिंह जाति राजपूत, निवासी रोड़ावाली, तहसील हनुमानगढ़, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 बीघा कृषि भूमि जो चक नं० 11, एल० एल० डब्ल्यू० तहसील हनुमानगढ़ में स्थित है और जो उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा क्रमांक 1228 दिनांक 9-8-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

हरी शंकर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 मार्च 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/536—यतः, मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
मामिल में समी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—6GI/79

1. श्री बनवारी लाल पुत्र श्री बदरी चन्द जाति अग्रवाल
निवासी हनुमानगढ़ टाऊन, जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरक)

2. श्री बूले सिंह पुत्र श्री खूम सिंह निवासी रोडावाली तहसील
हनुमानगढ़ जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पञ्चम्य में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिगत पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोऽध्याशरी के रूप में
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12 बीघा कृषि भूमि जो चक नं० 11, एल० एस० डब्ल्यू०,
तहसील हनुमानगढ़ में स्थित है और उपपजियक, हनुमानगढ़
द्वारा क्रम संख्या 1227 दिनांक 9-8-78 पर पंजीकृत विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जयपुर

तारीख . 19-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० अर्जन/175/कानपुर/78-79—यतः, मू.धे.
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के,
कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य धास्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. श्रीमती कमला देवी शर्मा विधवा भगवती प्रसाद
शर्मा 13/387 सिविल लाइन्स जि० कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री राम कुमार गुप्ता विधवा द्वारका प्रसाद गुप्ता
अवधेश कुमार गुप्ता, सुधीर कुमार गुप्ता (ना०
बा०) द्वारा माता श्रीमती फूलमती देवी स्त्री स्व०
द्वारका प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम व डा० कोड़ा,
जहानाबाद जिला फतेहपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० सी० 29 सर्वोदय नगर
कानपुर 70000 रुपए में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 29-9-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निर्देश सं० 699-ए—यतः, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. डाक्टर बी० रंगनाथन पिता स्वर्गीय जी० वैन्कटरामा आइयर, सी० 198, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा खन्ना, श्रीमती मवीना खन्ना, श्रीमती रीता खन्ना, 6/62 तिलक नगर, कानपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 573 काकादेव, कानपुर में 50,000 रुपए में बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 74,000 रुपया आका गया है ।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख . 8-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई टी • एन • एस •-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० 726-ए-न्यन; मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं०..... है, तथा जो..... में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री द्वारा अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-8-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मातृ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

1. श्री कृष्णचन्द्र पुत्र श्रीचन्द्र निवासी ग्राम व पोस्ट
निहालखेड़ा फाजलका जिला फिरोजपुर मुख्तार ग्राम मि०
जा० श्रीमती जमुना देवी पत्नी श्रीचन्द्र निवासी उक्त
ग्राम निहालखेड़ा द्वारा मुख्तार नामा ग्राम रजिस्टर्ड
व सूरजमल ऐडवोकेट पुत्र चौ० खेता राम मु० ग्राम मि
जानिन लक्ष्मीचन्द्र पुत्र हरी राम उक्त ग्राम निहालखेड़ा ।
(अन्तरक)

2. गूजर भवन धर्मशाला हरिद्वार रजिस्टर्ड जिला
महाराजपुर द्वारा चौ० भरत सिंह मंत्री उक्त भवन पुत्र
चौ० पृथ्वी सिंह निवासी कस्बा व पोस्ट झनरेडा
तहसील रुड़की जिला महाराजपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शायेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रह संपत्ति स्थित ग्राम अहमदपुर कडड़ जिला महाराजपुर
में 17,500 रु० में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य
38,200 रु० आंका गया है ।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-2-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० 647-ग—यल. मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो..... में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं माना गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री दुर्गा प्रसाद खायला पिता स्व० गंगा प्रसाद जी निवासी तनल हान्ट कार्शोपुरा हरिद्वार, परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की, जिला महारनपुर (अन्तरक)

2. श्री गंगा सभा रजिस्टर्ड हरिद्वार जिला महारनपुर द्वारा सरदार पानन्द प्रकाश गर्मा महामंत्री युक्त सभा पुत्र सरदार कृपाराम निवासी मोहन० चाकलान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान स्थित रेलवे लाइनम रतन भिनेमा के पास रूप 1,25,000 से बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,60,000 रूप आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

सश्रम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० 725ए—यतः मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में स्थित है (और इसे उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री सूरजमल एंडकोकेट पुत्र खेताराम निवासी ग्राम ब पोस्ट निवाल्खेड़ा तहसील फाजलका जिला फिरोजपुर मुख्तार भ्राम मि० जानिन राजाराम पुत्र चौ० रामाराम निवासी उत्त ग्राम निहाल खेड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री गूजर भवन धर्मशाला हरिद्वार रजि० जिला सहारन पुर द्वारा चौ० भरत सिंह मंत्री उक्त भवन पुत्र चौ० पृथ्वी सिंह निवासी कस्बा ब पोस्ट भावरेड़ा तहसील रुड़की जिला सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सम्पत्ति स्थित ग्राम अहमद कड़ा सहारनपुर में 17,500 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 38,200 रुपए आंकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 499-ए—यतः, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-7-1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित:—

1. श्री फूजु पृथ श्री दल्लु निवासी ग्राम वाजू डाकघर खास परगना ग्रामना जिला—मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरक)

2. श्री राम नारायण व राम रतन पिता श्री राम स्वरूप निवासीगण ग्राम वाजू डा० खास परगना ग्रामली जिला—मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित वाके ग्राम वाजू पर ग्रामली में 50,000 रुए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 67,500 रुपया आंका गया है ।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रक्राई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 593-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री सोमदत्त व मदन सिंह व मंगल सिंह पुत्रगण अमीन सिंह निवासी व ड० मुम्मा परगना मु० स० तहसील जानकठ जिला मुज्जफरनगर ।

(अन्तरक)

2. श्री वेदपाल सिंह पुत्र मलखान सिंह व रघुवीरी पत्नी वेदपाल सिंह, सोहन पाल व ओमवीर व चन्द्रपाल पुत्र वेदपाल सिंह नि० हाल व डा० मुम्मा (मुज्जफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित मौजा मुम्मा परगना मुम्मा (मुज्जफरनगर में 35,000 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 8,51,600 रुपए आंका गया है ।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 596-ए--यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकध में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः —

10—6GI/79

1. श्री योगेन्द्र सिंह पुत्र रामेश्वर दयाल निवासी सम्बलहेडा डा० खाम जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह पुत्र प्रीतम सिंह व मु० अमर कोठि पत्नी करतार सिंह व माधु सिंह व उजागर सिंह व महेन्द्र सिंह पुत्र कृपा सिंह व भगवान दास व शिव लाल पुत्र खुशी राम निवासी सम्बलहेडा डा० खाम जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित सम्बलहेडा में 48,000 रुपए की बेची गई ज़िम्का उचित बाजारी मूल्य 76,800 रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रमुख आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजि, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 फरवरी 1979

निर्देश सं० 595-ए—यत, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मे स्थित
है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र रामेश्वर दया। निवासी सम्बलहेडा
तह० जानकपुर जिला मऊफरगढ़

(अन्तरक)

2 श्री सरदार बरतार सिंह पुत्र प्रीतम सिंह सिंह, श्रीमती
उमा कौर पत्नी सरदार बरतार सिंह, साधु सिंह,
उज्जगर सिंह, महेंद्र सिंह सुपुत्र कृपाल सिंह,
भगवान दाम, शिव लाल पुत्र खुशी राम निवासी
सम्बलहेडा तह० जानकपुर जिला मऊफरगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

सपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित सम्बलहेडा जे 48,000 रुपए में बेची
गई जिनका उचित बाजारी मूल्य 76,800 रुपए आका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेजि कानपुर

तारीख 23-2-1979
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 फरवरी 1979

निर्देश सं० 663-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (और इस उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 69-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थ

1. श्रीमती शकुन्तला रानी, रबी कुमार, विजय कुमार, सुरेन्द्र पाल विनोद कुमार पुत्र ओम प्रकाश सबरवाल निवासी 1 माउन्ट वियू कुलरी मंसूरी (अन्तरक)

2. श्री श्रीधर प्रसाद जैन पुत्र कोमल प्रसाद जैन निवासी "लांग साईट" कुलरी मंसूरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हमारत जिसको "लांग साईट" मंसूरी में नाम से जाना जाता है उसको 55,500 रुपए में बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 76,100 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देश सं० 589-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुखन पुत्र शिवम्भन साकिन सम्बलहेड़ा डाक-खाना खास परगना मुम्मा सम्बलहेड़ा जिला मुजफरनगर

(अन्तरक)

2. श्री मूलचन्द व तिरलोक चन्द पिसरान राम चन्दर साकिन सम्बलहेड़ा डा० खास परगना मुम्मा सम्बलहेड़ा जिला मुजफरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित सम्बलहेड़ा में 50,000 रुपए से बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 74,300 रुपया आंका गया है ।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देश सं० 594-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र रामेश्वर दयाल निवामी सम्बलहेड़ा डा० खाम जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह पुत्र प्रीतम सिंह व मुस्मात अमरकोट पत्नी करतार सिंह, साधु सिंह व उजागर सिंह व महेन्द्र सिंह वगण कृपा सिंह व भगवान दाम व शिवपाल पुत्रगण काशी राम निवामी सम्बलहेड़ा डा० खाम जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित सम्बलहेड़ा में 48,000 रुपए में ब्रेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 76,800 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देशन सं० 685-ए—यत, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, तारीख 4-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री रामा नन्द पुत्र श्री छीतर मन निवासी 111 मोहल्ला कन्हैया लाल जानिव देहली गेट, गाजियाबाद (अन्तरक)

2 श्री विनोद कुमार पुत्र श्री श्याम सुन्दर लाल निवासी मकान न० 74 मोहल्ला छत्ता देहली गेट गाजियाबाद श्रीमती सरला देवी पत्नी स्व० श्री विश्वनाथ निवासी कस्बा दादर्श व हैकियत माता वलिया कुदरती व सरक्षक श्री गौरी शंकर उर्फ अजय कुमार आयु 15-16 वर्ष पुत्र श्री विश्वनाथ निवासी दादर्श परगना व तहसील दादरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागरे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नम्बर 129-190 देहली गेट गाजियाबाद में 100,000 रुपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,93,094 रुपया आंका गया है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1 श्री उपदेश गोबराय पस्ती प्रार० एम० गोंवराय सी-110
डिफेंस गालोनी, न्यू देहली

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 फरवरी 1979

2 श्री केवल किशन मिश्र व श्री शुभाष चन्द्र मिश्र
निवासी 1716 गली सदरमा मिर जुमला, लाल कुआ
देहली-6

(अन्तरिती)

निदेश 686—ए० यतः मझे भारत चन्द्र
चतुर्वेदीप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर ज़िम्मेदारी में है तथा जो में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
10 जुलाई, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कति नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फैक्ट्री इमारत स्थित 128 प्रकाश इंडस्ट्रीयल स्टेट जी०
टी० रोड, गाजियाबाद में 1,10,000 रुपए में बेची गई जिसका
उचित बाजारी मूल्य 1,32,400 रुपए आंका गया है ।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख . 27-2-179

मोहर :

परूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 फरवरी 1979

निर्देश सं० 864-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या

(ख) एमो किमो प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को तन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती माया देवी पुत्री चौ० खान चन्द्र व पत्नी डा० हरी कृष्ण खुराना माफिन जली कोठी कालोनी पटेल नगर शहर मेरठ

(अन्तरक)

2. दिनेश कुमार रस्तोगी 1/4 व सुभाष रस्तोगी 1/2 पिरशन व श्रीमती चन्द्रवती रस्तोगी 1/4 हिस्सा धर्मपत्नी श्री विशम्बर सहाय रस्तोगी 20 ए पटेल नगर शहर मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रह सम्पत्ति न० 20-ए, वी न्यू नम्बर 111 बाके जली कोठी पटेल गर शहर मेरठ में 1,00,000 रुपए में बेची गई जिनका उचित बाजारी मूल्य 2,14,000 रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 358/अर्जुन/कन्नौज/78-79—प्रति: मुझे
भरत चन्द्र चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और ज़िम्मेदार सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्नौज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य दायित्वों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—6GI/79

1. श्रीमती हेतुलरजा व महमान रजा गुलाबगण अलीरजा ग्राम बैख्रापुर पट्टी डा० कल्लिमापुर परगना व तहसील जिला—फर्रुखाबाद

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पुत्र शिव कुमार मुहल्ला दिपटी डा० छिपनी परगना व तह० कन्नौज जिला फर्रुखाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाप्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि 3 मित्ता स्थित बैरनापुर पट्टी डा० मलिकापुर परगना तहसील कन्नौज जिला फर्रुखाबाद 31,000 में बेची गई जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 81070 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 374/अर्जन/भरथना/78-79—यनः, मुझे,

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरथना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजाराम पुत्र बूढीमाल लि० पुरावली परगना भरथना जिला इटावा

(अन्तरक)

2. श्री माधो प्रसाद पुत्र प्रभुदयाल, श्री देवी स्त्री माधो प्रसाद मंत्री पुत्र छाटू, प्रेमराम व छोटे पुत्रगण शुन्दे निवासी ग्राम पुरावली परगना भरथना जिला इटावा (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति खमरा नं० 159 स्थित मौजा पुरावली परगना भरथना जिला इटावा अंकित मूल्य 129700 है और 45000 में बेची गई।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 28-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 385/अर्जन/भर्यना/78-79—यतः, मुझे,

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, भर्यना (इटावा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. श्री श्याम बिहारी पुत्र रुपई निवासी बहेड़ा पो० महेवा परगना भर्यना जिला इटावा
(अन्तरक)

2. श्री बदन सिंह पुत्र हमीर सिंह निवासी बहेड़ा पो० महेवा परगना भर्यना जिला इटावा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति स्थित ग्राम बहेड़ा परगना भर्यना जिला इटावा
अंकित मूल्य 107,000 है जो कि 9,3500 में बेची गई।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 28-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 391/अर्जन/छिबरामऊ/78-79—यतः, मुझे
भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० है तथा जो मे स्थित

है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिबरामऊ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती राम कुमारी बेजा बिलास ग्राम ऐराही परगना
सकतपुर तहसील छिबरामऊ जिला फर्रुखाबाद
(अन्तरक)

1. श्री रमेश चन्द, राम प्रकाश, चतुर्भुज, मनोज कुमार
अजय कुमार ना० बा० बली मरपरस्त पुत्र रामचन्द्र
सा० ऐराही परगना सकतपुर तहसील छिबरामऊ
जिला फर्रुखाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 11 कित स्थित मौजा ऐराही गना सकतपुर
तहसील छिबरामऊ जिला फर्रुखाबाद 22000 में बेची गई जिसका
कि उचित बाजारी मूल्य 55100 आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 412/अर्जन/भरथना/78-79—यतः, मुझे,
भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरथना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
8-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(अ) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
धायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किता पाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

श्री कौशल किशोर टंडन पुत्र जुगुल किशोर टंडन निवासी
कुंज शहर जिला इटावा

(अन्तरक)

2. श्री अजय कुमार, विजय कुमार बालिग व विनोद
कुमार व प्रमोद कुमार ना० बा० पिसरान गम लखन
गुप्ता की संरक्षिका माता शकुन्ता देवी स्त्री रामलखन
गुप्ता निवासी होम गंज परगना भरथना जिला--
इटावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या दससम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति 7 किता स्थित मौजा तकपुरा परगना भरथना
जिला इटावा अंकित मूल्य 95800 है और 24000 में बेची
गई।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 451/अर्जुन/हाथरस/79-79—यतः, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पारिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य सम्पत्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम प्रसाद पुत्र रामेश्वर लाल निवामी सादाबाद, हाथरस जिला अलीगढ़

(अन्तरक)

2. श्री विंशत स्वरूप पुत्र लक्ष्मी नारायण राधेप्रियाम, रामबाबू, दिनेश कुमार पुत्र विंशत स्वरूप निवासी सादाबाद तह० हाथरस जिला अलीगढ़

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अधिसूची

एक मकान जिसकी कि पूर्व सीमा पर मकान द्वारिकाधीश जी महाराज का है स्थित सादाबाद में तह० हाथरस जिला अलीगढ़ 50000 में बेचा गया जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 153800/- रुपए आंका गया है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख 28-2-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० 411ए-यन., मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महारनपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंसा आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः प्रतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नन्द किशोर बजोरिया, बड़ी प्रगाद बाजोरिया,
एम० एन० बागल, शिव शार बाजोरिया 125 ग्रामा प्रमाद
मुरुजी रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्टार पेपर लिमिटेड 27 बराबोरनी रोड,
कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि, बंगलों, गोडाउन तथा स्टाफ क्वार्टर जवालापुर रोड,
हरिद्वार रोड जवालापुर शहर महारनपुर में 700,000
रुप० की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 9,81,670
रुप० आंका गया है ।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख : 6-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना ;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० 295/अर्जुन/मथुरा/78-79—यत्न, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माट (मथुरा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 31-7-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी यात्र या किसी धन या धन आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गुरुबदन सिंह पुत्र बस्सी सिंह निवासी माट भूला डा० माट जिला मथुरा वर्तमान 17/18 विण्डियर में निवास जनाथ लेन नई दिग्गी ।

(अन्तरक)

2. श्री भूधर सिंह, उदय सिंह, ग्राम बाबू पुत्रगण चिरमोली निवासी माट भूला परगणा व तहसील माट जिला मथुरा ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धोखा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धोखाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बख्सा 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि संपत्ति रकबा 11.93 स्थित मौजा माट भूला बांगर तहसील माट जिला मथुरा 30000/- में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 79280/- है ।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोज, कानपुर

तारीख : 7-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० 129/अर्जन/एत्मादपुर/78--79--यत, मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो मे स्थित
है (अगर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, एत्मादपुर जिला
आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—6GI/79

1. श्री राम कुमार पुत्र मंगवान मिह निवामी लगना हरीम
मंजरा खाड़ा पो० खाड़ा परगना एत्मादपुर जिला
आगरा । (अन्तरक)

2. श्री राजनीर मिह पुत्र भूरी मिह बालिगान नफा मिह
न० बा० पुत्र व विवायन चौबे मिह पुत्र अंगद मिह
पिता हमीमी स्वयं निवामी ग्राम लगना चौकल मंजरा
ग्राम खाड़ा, पो० खाड़ा परगना एत्मादपुर, जिला
आगरा ।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि खमरा नं० 1289 स्थित ग्राम खाड़ा परगना
एत्मादपुर जिला आगरा 82000 में बेची गई ज़िमा का कि
अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 69000 है ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 7-3-1979
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 278/अर्जन/एम्सादपुर/78—79—यतः, मुझे,

भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रयोग मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीगंजिमकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीगंजिम उपाखण्ड अमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ताधिकारी के कार्यालय, एम्सादपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईश्वर चन्द्र मिह व किशन चन्द्र मिह व श्रीकांश मिह पुत्रगण दर्शन मिह नवासी पिपरी तहसील एम्सादपुर तहसील निवासी बंगरी मिहन्दर तहसील किगावली पी० फतहपुर मोहरी जिला आगरा

(अन्तरक)

2. श्री बंसीधर पुत्र पीताम्बर सिंह व रबीन्द्र कुमार पुत्र बंसीधर निवासीगण पीपरिया मौजा धरंग डा० तहसील एम्सादपुर जिला आगरा,

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुची

कृपि भूमि खाना नं० 29 स्थित मौजा खैराती तहसील एम्सादपुर जिला आगरा 47000 में बेचा गया जिनका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 91500 है

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 9-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 695ए—यन, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

आय विपत्ति सं० है जो में स्थित है (और इनके उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सइयद फरीदउद्दीन पुन जमशेद शाह मोहम्मद खा ग्राम काथरीट मुखतार ग्राम महखर जदी निदाल अलीगढ़ दूधपुर डा० ग्राम ग्राम कीपरीट परगना अदरर बुलन्दशहर

(अन्तरक)

2. श्रीमती नादरा आरीफ पत्नी आरिफ वशीर निवासी बुलन्दशहर मोहल्ला कोने तालाब बुलन्दशहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम कीपरीट में 33000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 65,000/- रुपए आती गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-3-1979
मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 584-ग—यत, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित
है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानमठ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
19-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्यक्ष आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :-

1. श्री जोगा सिंह पुत्र प्यारा सिंह निवासी कवाल परगना
जौली जानमठ तहसील जानमठ जिला—मुजफ्फरनगर
(अन्तरक)
2. श्री इणतयाक हुसैन व अशफाक हुसैन व अकबर हुसैन
पुत्रगण हुसैन निवासी कवाल परगना जौली जानमठ
तहसील जानमठ जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम कवाल परगना जौली में 60,000/-
रुपय में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 81,200/- रुपया
आंका गया है ।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख 9-3-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 602-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० ह तथा जो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री करनैल सिंह पुत्र अवन गिह, वचन गिह, गुरबखण सिंह पुत्रगण करनैल सिंह नि० ग्राम निकोकरा व श्रीमती माया देवी पुत्री नारायण सिंह निवासी ग्राम नर्वापन्ड बरकी लालान तहसील बतारा, जिला—गुरदामपुर

(अन्तरक)

2. गुरदीप सिंह, गन्धरा सिंह, दरशन सिंह पुत्रगण अदम सिंह व महेन्द्र सिंह पुत्र माया सिंह श्रीमती जागीर कौर पुत्री नवाब सिंह कलवन्त सिंह कृलवन्त सिंह पुत्रगण महेन्द्र सिंह, ग्राम बाकर की जिला व तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित सालाबाद में 95,475 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,40,000 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979

मोहर :

प्रस्ताव आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 665-ग—पत., मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अश्रुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री मंगल सिंह व नेजामिह पुत्रगण जवाहर सिंह नि०
ग्राम कुर्वा तहसील समराला जिला लुधियाना ह्याल
निवासी ग्राम आमद नगर मंजरा मंडूरा (मुजफ्फर-
नगर) ।

(अन्तरक)

2 श्री जमपाल सिंह व हरवंश सिंह व भगवत सिंह व उपकार
सिंह व मरजीत सिंह पुत्रगण वचना सिंह निवासी
अमदनगर मंजरा मंडूरा मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम मंडूरा में 50,000 रुपए में बेची
गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 66,600 रुपए आंका गया
है ।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 678-ए—अन०, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो में स्थित है (और उसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबद्ध अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जनक दुलारी पत्नी श्री भीतराम गुप्ता नि० एन-184 पंचशील पाली नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मैन्पाल गुल श्री केदार सिंह निवामी दरड फतहपुर तहसील कैराना जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम दरड फतहपुर तहसील कैराना में 24,502-50 रुपए में ब्रेची गई जिनका उचित बाजार मूल्य 78,000 रुपए आती गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979
साहू :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 679-ए—यन, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़िम्मेदार सं० है तथा जो में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुमोची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
19-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में-सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती श्यामलता परती कृष्ण कुमार जोदशी सं० शु०
जोदशी टोना इलाहाबाद
(अन्तरक)

2. श्री अनकपाल मिह पुन केदार मिह का हरड फतेहपुर
प० थाना भवन तहसील कैराना जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के सम्बन्ध में कोई भी प्रश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम हरड फतेहपुर प० थाना भवन में
26865 रूप० में बेची गई ज़िम्मेदार उचित बाजारी मूल्य 85,000
रूप० आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979
मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 720ए—यन, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवबन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किता पाठ या किनी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसारण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

13—6G 1/78

1. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र लाल प्रकाश चन्द निवासी सहारन-पुर मौ० बौधरीयान मुखयार राम कन जानिव संतोश कुमार व सुनील कुमार पुत्र लाल प्रकाश व लाली कुमार पुत्र महेश कुमार नि० नगीना व मकर कुमार पुत्र जम्शु प्रसाद नि० कल्या नानना मोहन गोखलादे प० रामया डाक खाम जिला महारनपुर

(अन्तरक)

2. श्री अभय राम व मुहिलाल व किरण राम व पूर्णचन्द्र पुत्रगण हरवंश लाल निवासी कम्बा शामली मोहल्ला शामशाला तहमील कैराना जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित दावनपुर में 1,00,000 रुपए में बेची गई जिनका उचित बाजारी मूल्य 1,42,520 रुपये आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979

मोहर :

रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० 580-ए—यत, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यरत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कल्याण सिंह पुत्र सूरजमल नि० नीहामुड़ मोदीनगर परगना जलालाबाद तह० हापुड़ जिला—गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी भुला नि० मछरी पो० दीनगर प० जलालाबाद त० हापुड़ जिला गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित बाके मछरी जलालाबाद में 16,000 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 27,333 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-3-1979
मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० 581-ए—यन, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिख की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्मुख प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिदियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया जा रहा है कि

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नत्थू सिंह पुत्र बखाम सिंह नि० बीघापुर मोदीनगर प० जलालाबाद तह० हापुड़ जिला—गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी मूला नि० मछरी पो० मीदीनगर प० जलालाबाद तह० हापुड़ जिला—गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित बाके मछरी प० जलालाबाद में 16,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 27,333/- रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 12-3-1979

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० 582-ए—यत, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए धोरण/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: धन, उक्त अधिनियम का धारा 269 ग के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

1. श्री विजय कुमार पुत्र रिसाल सिंह विधापुर पो० मोदीनगर प० ज० जलालाबाद तहसील हापुड़ जिला गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी मूला नि० मछरी पो० मोदी नगर प० जलालाबाद तहसील हापुड़ जिला—गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित बाके मछरी प० जलालाबाद में 16,000/- रुपए में बेची जिसका उचित बाजारी मूल्य 27,334 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 12-3-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

4/14 क, आफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/जुलाई-118/2502/78-79/6717—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-7 है तथा जो 3-मैटकाल्फ रोड, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन्स, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृष्टि के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहे था, छिपाने में सविद्या के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सै० विष्वा ईस्टेट्स प्राइवेट लि०, बी०-6, आसफ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राम बाबू गुप्ता (3/4 हिस्सा), सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरी शंकर तथा श्रीमती नर्मदा देवी (1/4 हिस्सा), विधवा पत्नी श्री श्री शंकर, निवासी 1124, कूचा नटवन, चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जोकि प्लॉक नं० 7 में है की दूसरी मंजिल जिसका क्षेत्रफल (कर्वेड) 2072 वर्ग फुट है, 3-मैटकाल्फ रोड पर जोकि 3-शंकराचार्य मार्ग से जानी जाती है, सिविल लाइन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है—

पूर्व : प्लॉक नं० 8

पश्चिम : खुला

उत्तर : 30 फुटी चौड़ी सड़क

दक्षिण : अन्य की जायदाद।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st March 1979

No. A.32014/1/78-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl) to officiate on an *ad hoc* basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 2.3.79 to 31.5.79 or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM
Dy. Secy.,
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 1st March 1979

No. A. 12019/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri J. N. S. Tyagi, permanent Research Assistant (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 27.2.79 to 26.5.79 or until further orders, whichever is earlier.

The 13th March 1979

No. A.12019/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran, permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 2.3.1979 to 31.5.1979, or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM
Dy. Secy.
for Secy.,
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 6th February 1979

No. P/1837-Vol.II-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Dr. V. S. Misra, Reader in the University of Allahabad, to the post of Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 2 years w.e.f. the forenoon of 27-12-1978 or until further orders, whichever is earlier, under proviso to Regulation 4 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary (Admn.)
for Chairman,
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 26th February 1979

No. A.32016/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 2-3-79 to 31.5.79, or until further orders, whichever is earlier, *vice* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th March 1979

No. A. 32014/1/79-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C. S. S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer in the same cadre for the period

indicated against each or until further orders, whichever is earlier

Sl. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1	2	3	4
1.	Sh. R. K. Jasuja	1-3-1979 to 30-4-1979	
2.	Sh. S. K. Arora	1-3-1979 to 30-4-1979	Sh. Arora, who has been appointed as Desk Attache, will be redesignated as Desk Officer from 1-3-1979 to 30-4-79 and shall draw a special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of Deptt. of Personnel & A. R. O. M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.
3.	Sh. S. N. Sharma	1-3-1979 to 30-4-1979	—
4.	Sh. Jai Narain	1-3-1979 to 30-4-1979	—
5.	Sh. S. R. Khanna	2-3-1979 to 30-4-1979	—
6.	Sh. N. K. Dhingra	20-2-1979 to 30-4-1979	—
7.	Sh. B.L. Sharma	1-3-1979 to 30-4-1979	—
8.	Sh. K. P. Iyer	1-3-1979 to 9-4-1979	—
9.	Sh. S. D. S. Minhas	19-2-1979 to 18-4-1979	—
10.	Sh. J. L. Sud	19-2-1979 to 5-4-1979	—

The 9th March 1979

No. A.32014/1/79-Admn.III.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 16.2.79, the President is pleased to appoint Shri R. P. Sharma, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Section Officer, on an *ad hoc* basis, in the same cadre from 26.2.79 to 12.4.79 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/79-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C. S. S. cadre of Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer in the same cadre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

Sl. No.	Name	Period for which promoted as S. O.
1.	Sh. Krishan Kumar	1-3-1979 to 30-4-1979
2.	Sh. G. P. Bhatta	28-2-1979 to 16-4-1979
3.	Sh. S. N. Ghosh	1-3-1979 to 16-4-1979

2. The promotion of Shri M. N. Arora as Section Officer, from 5-2-1979 to 22-3-1979 *vide* this Office Notification of even number dated 16-2-1979, has been cancelled.

B. N. SOM
Dy. Secy.
(Incharge of Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the the 17th Reruary 1979

No. A. 32013/2/78-Admn.I.—In partial modification of Union Public Service Commission Notifications No. A. 32013/1/77-Admn.I dated 30-11-78 and 16-12-78, the President is pleased to appoint S/Shri T. N. Channa, B. R. Verma and B. S. Jagopota, permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS Cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of the service w.e.f. 27.11.78, until further orders.

The 21st February 1979

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name & Period

1. Shri B. S. Kapur—10.1.79 to 28.2.79.
2. Shri P. C. Mathur—1.1.79 to 16.2.79.

No. A. 32012/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Mehra, a permanent Officer of Grade A of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade of the CSS for the period from 19-1-79 to 28.2.79, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN.

Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 17th March 1979

No. M-19/65-Ad.V.—On his selection for appointment on deputation in the Office of Registrar General, India as Deputy Director of Census Operations, Shri M. I. Gulati, relinquished charge of the office of the Office Superintendent, C.B.I. with effect from the forenoon of 26.2.1979.

No. A. 19035/1/79-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Sham Bihari Lal Sharma to officiate as Office Supdt. in the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity with effect from 28.2.79 (F.N.) and until further orders.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)
C.B.I.

New Delhi, the 19th March 1979

No. A-35018/13/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Lok Nath, Sub-Inspector of Rajasthan State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Jaipur Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 30.1.79 until further orders.

JARNAIL SINGH,
Administrative Officer (F) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 17th March 1979

No. O. I-261/69-Estt.—The Govt. of India regret to notify that Shri B. M. Singh, Commandant, 46 Bn., CRPF expired on 18-12-78.

The 19th March 1979

No. O.II-98/69-Estt.—Consequent on his retirement from Govt. service Shri J. Eapen relinquished charge of the post of Commandant, 58 Bn, CRPF on the afternoon of 28-2-79.

No. O II-151/77-Estt.—The Government of India regret to notify the sudden death of Lt. Col. Rajinder Singh, Joint Assistant Director (Crypto) in the Directorate General, CRPF, New Delhi on 3-2-79.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director, (Adm)OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 15th February 1979

No. E-18013(2)/2/77-Pers.—On his appointment as Director in the Ministry of Home Affairs, Shri Narendra Prasad, IPS (MP-62) relinquished the charge of the post of AIG (Pers), CISF HQrs, New Delhi w.e.f. the afternoon of 24th Feb, 1979.

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri R. B. Sreekumar, IPS (Guj-71) assumed the charge of the post of Commandant/CISF Unit, FACT (Udyogamandal) w.e.f. the forenoon of 9th Feb 1979.

The 17th March 1979

No. E-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer from Goa Shri K. A. Belliappa assumed the charge of the post of Asstt. Commandant/CISF Unit ISRO Thumba, with effect from the forenoon of 23rd Feb. 1979.

Sd. ILLEGIBLE
Inspector General/CISF.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 13th March 1979

No. 1785/A.—The undersigned hereby appoints Shri S. G. Kanade, Inspector Control, Currency Note Press, Nasik Road (Class III Non-Gazetted), to officiate as Dy. Control Officer (Class II Gazetted) in Currency Note Press, Nasik Road in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on regular basis with effect from 1st March 1979 F.N.

D. C. MUKHERJEA
General Manager.

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 10th March, 1979

No. BNP/C/5/79—In continuation to this Department's Notifications number BNP/C/5/78 dated 10-12-1978, the following *ad hoc* appointments have been continued for a further period of three months with effect from 1-3-1979 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

S/No.	Name	Post to which appointed on <i>ad-hoc</i> basis
1	2	3
	S/Shri	
1.	A. S. Vhaikar	Technical Officer (Printing & Plate making)
2.	M. Ponnuthurai	Do.
3.	D. R. Kondawar	Do.
4.	Y. Janardan Rao	Do.
5.	Rampalsingh	Do.
6.	N. R. Jayraman	Do.

1	2	3
7. S. amarendra Dass	.	Technical Officer Printing and Platemaking
8. M. Dutta	.	Technical Officer (Designing & Engraving)
9. Arun Kumar Ingle	.	Technical Officer (Ink Factory Research & Laboratory)
10. J. N. Gupta	.	Technical Officer (Ink Factory Production).
		P. S. SHIVARAM General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 15th March 1979

No. 383-CA.1/170-78.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to appoint Shri P. Srinivasa Rao a Section Officer (Commercial) of the office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad at present on deputation on foreign service with the Electronics Corporation of India Limited, to officiate as Audit Officer (Commercial) under "Next Below Rule" with effect from 29.11.79 (F.N.), until further orders.

No. 384-CA-1/173-78—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 with effect from the dates mentioned in column 5 below, until further orders :—

Sl. No.	Name of the Section Officer (Commercial)	Office Where working before promotion	Office where posted on promotion as Audit Officer (Commercial)	Date of posting as officiating Audit Officer (Commercial)
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1	R. C. Trehan	MAB & Ex-officio DCA, New Delhi	MAB & Ex-officio D C.A. Bombay	29-12-1978 (FN)
2	Harshmay Mukherjee	MAB & Ex-officio, D C.A., Ranchi	MAB & E-officio D C.A. Ranchi	14-12-1978(FN)
3	Ranjit Chakraborty	Do	Do	27-12-1978 (AN)
4	K. C. Parmar	A.G., Gujarat, Ahmedabad	Do	23-1-1979 (FN)
5	Priya Brata Sen Majumdar	MAB & Ex-officio D C.A., Calcutta	A.G., II, West Bengal, Calcutta	18-1-1979 (FN)
6	R. Nageswaran	A.G. II, Tamil Nadu	MAB & Ex-officio, D.C.A., Ranchi	3-2-1979 (FN)
7	Roop Chand Jain	A.G., Rajasthan	Do	12-2-1979 (FN)
8	V. Rama Chandra Rao	A.G. II, Andhra Pradesh	MAB & Ex-officio, D.C.A., Bombay	9-2-1979 (FN)

The 16th March 1979

No. 416-CA. 1/161-78—Addl Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in Column 4 with effect from the dates mentioned in Column 5, below, until further orders :

Sl. No	Name of the Section Officers (Commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as Audit Officer (C)	Date of posting as Officiating Audit Officer (Commercial)
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	P. R. Samaddar	MAB & Ex-officio D C.A., Calcutta	MAB & Ex-officio D.C.A., Calcutta	10-11-1978 (FN)
2.	K. A. Monian Kutty	A. G. Kerala	MAB & Ex officio D C.A., Ranchi	15-12-1978 (FN)
3.	S. N. Prakasam	A. G. II (Tamil Naud) Madras.	A. G. Orissa	29-11-1978 (FN)
4.	Chokkey Lal	On reversion from deputation with People's Action For Devp., India	A. G.-II, Bihar, Patna	12-12-1978 (FN)
5.	T. S. Seshadri	A.G.-II, Tamil Nadu, Madras	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi	13-12-1978 (FN)
6.	Virendra Pal Singh	A.G.-II, Madhya Pradesh, Gwalior	MAB & Ex-officio D C.A., Ranchi	28-12-1978 (FN)

1	2	3	4	5
7.	A. Satyanarayana Murthy	A.G.-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	A.G. Orissa	12-12-1978 (FN)
8.	Satish Kumar	On reversion from deputation with Nagaland Pulp & Paper Co., Ltd.	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi.	14-12-1968 (FN)
9.	J. P. Srivastava	A.G.-II, U. P., Lucknow.	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi.	12-12-1978 (FN)
10.	Gopal Chandra Dutta	A.G.-II, West Bengal, Calcutta.	A.G.-II, West Bengal, Calcutta.	10-11-1968 (FN)
11.	C. M. N. Swami	A. G. (S & CD), Bombay.	A.G. (S & CD) Bombay.	1-12-1978 (FN)
12.	M. Saptharshi	A.G.-II, Tamil Nadu, Madras.	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi.	4-12-1978 (FN)
13.	Brij Mohan Mehta	A. G. Punjab	Do.	29-11-1978 (FN)
14.	Biswanath Chakraborty	On reversion from deputation with Director of Audit (Food)	MAB & Ex-officio D.C.A. Calcutta.	29-11-1978 (FN)
15.	Brij Raj Sharma	A. G., Rajasthan.	A.G., Gujarat	12-12-1978(FN)
16.	Shambunath Singh	A.G. II, Uttar Pradesh Lucknow.	A.G. II, Bihar, Patna.	27-11-1978 (FN)
17.	Y. V. V. Ramana Murthy	A.G. II, A. P., Hyderabad.	RAO (ONGC) Biroda under MAB & Ex-officio D.C.A., Dehradun.	5-1-1979 (FN)

M. S. GROVER
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITORS, POSTS AND TELE- GRAPHS

Delhi-110054, the 12th March 1979

No. Admn.III-21/23(A)(2).—Shri G. Nataraja a substantive Audit Officer in the Posts and Telegraphs Branch Audit Office Madras has retired from service w.e.f. 31.12.78 (A.N.) on superannuation.

S. KRISHNAN,
Sr. Dy. Chief Auditor.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 17th March 1979

No. 23011(1)/66-AN-I.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :

Sl. No	Name	Date of confirmation
1	2	3
1.	Shri Dheer Singh Meena	21-8-1978
2.	Shri Yashwant S. Negi	21-8-1978
3.	Shri Kanhau Vaiphei	1-6-1978

No. 86016(16)/79-AN-I.—The President is pleased to appoint Shri Stephen Lakra, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that Service with effect from the forenoon of 28th February 1979, until further orders.

R. L. BAKHSI.

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

14—6GI/79

MINISTRY OF DEFENCE DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta, the 9th March 1979

No. 11/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. DDGOF/Level-I with effect from the date shown against him, until further orders :—
Shri R. R. Wanchoo, Offg. DDGOF/Level-II—9th Feb. 1979.

No. 12/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Dy. Manager with effect from the date shown against them until further orders :—

(1) Shri Gopallan Mullik, A.M. (Prob.)—9th Jan. 1979.

(2) Shri S. N. Sarkar, A.M. (Prob.)—9th Jan. 1979.

No. 13/79/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. ADGOF/Gr. I with effect from the date shown against him, until further orders :—
Shri K. Dwarakanath, Permt. ADGOF/Gr. II—4th Jan. 1979.

No. 14/G/79.—The following amendment is made to this Directorate General gazette notification No. 74/G/78, dated 3.11.78 forwarded under No. 381/A/G, dated 3/15-11-78 :—

At Serial No. 10.

For : Smt. Minakshi Seth, AM (Prob.)—10th August, 1978.

Read : Smt. Minakshi Seth, Permt. A.M.—10th August, 1978.

The 12th March 1979

No. 16/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri M. B. Chaudhury, Offg. T.S.O. (Subst. & Permt. Staff Assistant) retired from service with effect from 28th February, 1979 (A/N).

No. 17/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. N. Bose, Offg. Officer supervisor (Subst. & Permt. A.S.O.) retired from service with effect from 28th February, 1979 (A/N).

V. K. MEHTA,
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS

New Delhi, the 16th March 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1087/75-Admn(G)/2315.—On attaining the age of superannuation, Shri V. S. Verma, an officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS relinquished the charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 28th February, 1979.

RAJINDER SINGH,
Deputy Chief Controller of Imports & Exports,
for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 8th March 1979

No. 12(133)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri J. K. De, an Officer permanent as Deputy Director (Industrial Management & Training) and officiating as Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Small Industry Development Organisation to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st January, 1979.

2. Consequently, Shri J. K. De has relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Solan, on the afternoon of 31st January, 1979.

No. A-19018/369/78-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri V. S. Karunakaran, a Quasi Permanent Mechanical Engineer (Junior) in Geological Survey of India, Calcutta, as Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 23rd February, 1979 until further orders.

THE 16th March 1979

No. 12/709/72-Admn.(G).—Consequent upon his proceeding on deputation as Expert to the Small Industries Development Organisation, Tanzania, for two years, Shri M. Sundara Rajan, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Hyderabad with effect from the afternoon of 20th December, 1978.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 13th March 1979

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July, 1969.

Under Class 2—Nitrate Mixture

- (i) in the entry "MONOEX" for the figures "1979" the figure "1980" shall be substituted;
- (ii) in the entry "PF-I-AF" for the figures "1979" the figures "1980" shall be substituted;

- (iii) in the entry "PF-I-X" for the figures "1979" the figures "1980" shall be substituted; and
- (iv) in the entry "PULVEREX" for the figures "1979" the figures "1980" shall be substituted.

Under Class 3—Division 1

- (i) add 'DE SEGURIDAD (20-SR)—Spanish Make provisionally upto 1st August, 1979 for use in underground coal/Gassi Mines' before the word "GIATINE".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th March 1979

No. A-1/1(485).—Shri C. A. Venkateswaran, Assistant Director (Supplies) (Grade I) in Grade III of the Indian supply Service, in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay, has retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1979 on attaining the age of superannuation.

The 12th March 1979

No. A-1/1(1018).—S/Shri S. Nagarajan and S. K. Banerjee, Assistant Directors (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay have been reverted to the non-gazetted post of Junior Progress Officer with effect from the afternoon of 28-2-1979.

2. S/Shri Ram Kishan, Balbir Singh and Sadhu Ram, Assistant Directors (Gr. II) in the Headquarters office have been reverted to the non-gazetted post of Junior Progress Officer with effect from the afternoon of 28-2-1979.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 7th March 1979

No. A6/247(230)/59-III.—The President is pleased to appoint Shri M. D. Babyloni, Asstt. Director of Inspection in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Group A) to officiate as Dy. Director of Inspection in Met. Branch of Grade II of the Service w.e.f. 24-1-1979.

Shri Babyloni relinquished charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur and assumed charge of the post of Dy. Director of Inspection (Met.) in the same office on the forenoon of 24th January, 1979.

No. A6/247/(226)/76-III.—The President is pleased to appoint Shri H. Ananthapadmnabhulu, Asstt. Director of Inspection in the Met. Chem. Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Group A) to officiate as Dy. Director of Inspection in the Met.-Chem. Branch of Grade II of the Indian Inspection Service on *ad hoc* basis for a period of one year w.e.f. 29th January, 1979.

Shri Ananthapadmnabhulu relinquished the charge of the post of ADI (Met.-Chem) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur and assumed charge of the post of DDI (Met.-Chem.) in the same office from the forenoon of 29th January 1979.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)

**ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM**

Calcutta-16, the 1st March 1979

No. 4-159/78/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri William Ekka to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Headquarters, Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13th February, 1979, until further orders.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 19th March 1979

No. C-5473/594.—Shri T. C. Hansda, Technical Assistant, Spl. Gd. is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 25th January 1979.

No. C-5474/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post) Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad hoc* provisional basis :—

Sl. No.	Name and Design-	Unit/Office	With effect from
1	2	3	4
1	Shri T. S. Rina Surveyor Selection Grade.	No. 15 Party (STI), Hyderabad.	26-9-1978 (F N)
2	Shri S. B. Mangin, Surveyor Selection Grade.	No. 67 (FSP) Party, (Surain) Coimbatore	3-10-1978 (FN)
3	Shri M. R. Bhide, Surveyor Selection Grade.	No. 31 Party (SCC) Hyderabad	27-10-1978 (F N)
4	Shri Ram Lal, Draftsman Division I Selection Grade.	No. 2 D. O. (NC), Dehradun	18-1-1979 (F N)

No. C-5475/579-A.—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' posts) are confirmed in their appointment with effect from 27th February 1979 :—

1. Shri M. P. Jain
2. Shri M. M. Chakrabarti
3. Shri J. P. Sharma
4. Shri K. C. Bhattacharjee
5. Shri S. L. Bikhchandani
6. Shri S. D. Kararia
7. Shri R. N. Sharma
8. Shri B. N. Nanthani.

K. L. KHOSLA
Major General,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTOR GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th March 1979

No. A-12026/1/78-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. H. Yusuf, Senior Adminis-

trative Officer, Doordarshan Kendra, Madras to officiate on *ad hoc* basis as Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 12th March, 1979, until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th March 1979

No. A. 19019/13/78(HQ)Admn. I.—Consequent on his transfer to the Govt. Medical Stores Depot, Bombay, Shri Y. K. Agarwal relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (Stores), Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 1st February, 1979.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)**

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

HEAD OFFICE

Faridabad, the 16th March 1979

No. A-31014/3.78-A. I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt of India, is pleased to appoint the following officers substitively to the permanent posts of Marketing Officer (Group III) in the Dte. of Marketing & Inspection, with effect from the date indicated against each :

S/Shri

- (1) S. S. Prasad Rao—15-7-1976.
- (2) A. K. Sastry—11-11-1977
- (3) C. V. Neelagresvam—11-11-1977.

2. The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Marketing Officer (Group III).

B. L. MANIHAR
Director of Administration

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(Personnel Division)**

Bombay-400 085, the 28th February 1979

No. 7(7)/77-Confirmation/522.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity in the grade of Assistant Administrative Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from January 1, 1979.

Sl. No.	Name	Present Grade	Name of the Unit in which serving at present.	Permanent post held
1.	Sh. M. Mukundan	A.P.O.	B.A.R.C.	SGC in PPED Pool
2.	„ P. P. Pai	P.R.O.	Do.	Asstt. in BARC
3.	„ B. A. S. Prasad	A.P.O.	Do.	Steno (Sr.) in BARC.
4.	„ K. Subramanian	Do.	Do.	Asstt. in BARC.
5.	„ P. R. Rajgopalan	Do.	Do.	Steno (Sr.) in BARC.
6.	„ C. G. Sukumaran	Do.	Do.	Do.
7.	„ H. R. Renuke	Section Officer	D.A.E.	Asstt. in BARC

V. R. PATGAONKAR
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 23rd February 1979

No. PPED/3(235)/78-Admn.2474.—On transfer from Rajasthan Atomic Power Project, Shri K. Sankaran Kutty, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Personal Officer in that Project is appointed as an officer in the Assistant Personnel Officer's grade (Rs. 650—960/-) in the Power Projects Engineering Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 13, 1979 until further orders.

The 6th March 1979

No. PPED/3(283)/78-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri D. L. Gavankar, a permanent Upper Division Clerk and officiating Asstt. Accountant in this Division as Asstt. Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 5, 1979 to the afternoon of April 28, 1979 *vice* Shri M. K. Iyer, Asstt. Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 5th March 1979

No. NAPP/Adm/1(111)/79-S/2660.—Chief Project Engineer Narora Atomic Power appoints Shri R. N. Bhardwaj a Quasi permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of February 15, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 22nd January 1979

No. PAR/0704/240.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Shastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex, from 6-1-1979 to 22-1-1979.

The 5th February 1979

No. PAR/0704/388.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Shastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer in Nuclear Fuel Complex, from 30-1-1979 to 13-3-1979.

No. PAR/0704/389.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex, from 23-1-1979 to 29-1-1979.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 9th March 1979

No. MAPP/8(16)/78-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri K. G. Balachandran, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk as Assistant Personnel Officer in the Madras Atomic Power Project *vice* Shri V. K. Santhanam, granted leave, with effect from October 7, 1978 to February 28, 1979.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th March 1979

No. A. 32012/1/78-M.—The President is pleased to appoint Dr. P. K. Das as Director General of Meteorology with effect from the 9th March, 1979 (Forenoon) until further orders in the pay scale of Rs. 2500—125/2—2750.

M. SURYANARAYANA
Under Secy.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th March 1979

No. A. 32013/1/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. Sampath Kumaran, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Senior Technical Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 4-12-1978 to 3-2-1979 (FN) *vice* Shri S. Krishnaswamy, Senior Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras granted earned leave for 62 days, and posted at the same station.

No. A. 32013/3/78-EC.—In continuation of this Department Notifications No. A. 32013/3/78-EC, dated 18-10-78 and 6-2-79, the President is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of the following three Assistant Directors of Communications in D.G.C.A. (HQ) for a further period upto 31-5-1979,

S. No. and Name

1. Shri R. S. Ajmani.
2. Shri K. Ramalingam.
3. Shri H. V. Sudershan.

No. A. 32014/5/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri C. K. Sobti, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Asstt. Tech. Officer on regular basis w.e.f. 19-2-1979 (FN) and to post him in the same station.

No. A. 38013/1/77-EC : The following officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their Office on the date indicated against each on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name,	Designation & Station of posting.	Date of retirement
1.	Shri R. S. Raghavan,	Asstt. Comm. Officer Aero. Comm. Stn. Madras.	30-4-78 (AN)
2.	Shri N. V. Nair	Asstt. Technical Officer, Aero. Comm Stn Madras.	31-5-78 (AN)

S. D. SHARMA
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 8th March 1979

No. A-12032/3/78-EA.—The President has been pleased to accept the resignation from Government Service of Shri J. K. Barman, Aerodrome Officer, Calcutta Air port, Dum Dum with effect from the 28th February, 1979 (AN).

The 9th March 1979

No. A-39013/3/79-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Govt. service of Shri B. K. Keswani, Asstt. Aerodrome Officer, Calcutta Airport, Dum Dum with effect from the 4th March, 1979.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th March 1979

No. 1/183/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. S. Rao, Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 23-5-1978 to 6-7-1978 (both days inclusive) against a short-term vacancy, on *ad hoc* basis.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 15th March 1979

No. 4/79.—On his retirement on superannuation, Shri V. N. Desai relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the West Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Bombay on 28-2-1979 (A.N.).

M. V. N. RAO
Director of Inspection

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bhubaneswar, the 5th March 1979

No. 4/79.—On promotion, Shri Surendra Nath Patra, Inspector (SG), Central Excise and Customs has assumed charge as Superintendent Central Excise and Customs, Group 'B' at Hdqrs. office, Bhubaneswar in the forenoon of 21-2-1979.

No. 5/79.—The undernoted officers of Central Excise and Customs of this Collectorate have retired from Government service on superannuation in the afternoon of 28-2-1979.

Name of the Officers, Designation and Place of Posting.

1. Shri Lingaraj Rath, Administrative Officer, Hdqrs. office, Central Excise, Bhubaneswar.
2. Shri Brahmananda Patra, Superintendent Group 'B', Hdqrs. office, Central Excise & Customs, Bhubaneswar.

H. VUMKHAUWTHANG
Collector
Central Excise and Customs,
Bhubaneswar.

Patna, the 17th March 1979

No. 11(7)2-E1/79/2793.—Shri C. D. Tewari, Officiating Chief Accounts Officer of Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-1-1979 (A.N.).

D. K. SARKAR
Collector
Central Excise, Patna

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRSDEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sattanathar Transports Private Limited*

Madras, the 14th March 1979

No. 4393/560(5)/79.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sattanathar Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu

*In the matter of the Companies Act 1956
and*

*of The Dakshin Bharat Alkali Corporation Limited**(Section 445 of the Companies Act 1956)*

Madras, the 14th March 1979

No. 4379/C.Lqn/445/77.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 24-11-1977 passed in C.P. No. 97 of 1976 the Company The Dakshin Bharat Alkali Corporation Limited was wound up.

Y. SATHYANARAYANA
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Pondicherry Chemicals Private Limited*

Pondicherry-1, the 13th March 1979

No. 134/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company 'Pondicherry Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies,
Pondicherry

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-51/2662/78-79, 6717.—
Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-55 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Lal Sehgal,
S/o Shri Bhagat Ramji Sehgal,
R/o House No. 1, Row-I No. 61,
Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh Kalsi,
S/o Sardar Bir Singh Kalsi,
R/o N-6, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storied Building built on a plot No. H-55, measuring 197.4/10 sq. yds. situated at Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. H-56
West : Plot No. H-54
North : Plot No. H-17 & 18
South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref No. IAC/Acq II/July-37/2712/78-79/6718.—

Whereas, I. R. B. I. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-60 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Chawla,
S/o Shri Nathu Ram Chawla,
R/o H. 60, Kirti Nagar
New Delhi.

(Transferor)

(2) Lady Dr. Saroj Gulati
w/o Dr. Jitendra Mohan Gulati,
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share of only ground floor bearing No. 60, Kirti Nagar, measuring 150 sq. yds. (Total 300 sq. yds.), New Delhi and bounded as under :—

East : Lane
West : Road
North : House on Plot No. H-59
South : House on Plot No. H-61.

R. B. I. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-30/2711/78-79/6718.—
Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-60 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sudha Rani,
w/o Shri Ram Lal Chawla
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Jitender Mohan Gulati,
S/o Late Sh. G. L. Gulati,
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. H-60 measuring 300 sq. yds. situated at Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : Lane
West : Road
North : House on Plot No. H-59
South : House on Plot No. H-61

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-3-1979
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001 the 17th March 1979

Ref. No. IAC Acq II/July-35/78-79/2714/6718 --

Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-60 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
15-6GI/79

(1) Shri Ved Parkash Gandhi, s/o
Shri Jai Ram Gandhi, r/o
16/25, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Rani,
w/o Shri Ram Lal Chawla,
r/o D-75, New Multan Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. H-60, measuring 300 sq. yds situated at Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under : —
East : Lane
West : Road
North : Plot No. H-59
South : Plot No. H-61

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 17-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-36/78-79/6718.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H-60 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Chawla,
s/o Shri Nathu Ram Chawla,
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Jitendra Mohan Gulati,
s/o Shri G. L. Gulati,
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 undivided share of only ground floor of property No H-60, Kirti Nagar, New Delhi and admeasuring 150 sq. yds
East : Lane
West : Road
North : House on Plot No. H-59
South : House on Plot No. H-61

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 17-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq II/July-137/78x79/6718.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo K-1/29 situated at Model Town, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
Delhi on 31-7-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269 D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Atma Ram Garg,
s/o Shri Ram Sarup Garg,
r/o K-1/29, Model Town, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Sushila Devi Gupta,
w/o Shri Dalip Singh Gupta,
r/o K-1/29, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land No. 29 in Block No. K-1, measur-
ing 282 sq yds situated in the residential colony known as
Model Town, Delhi and bounded as under :—

East : Building on Plot No. K-1/30
West : Building on plot No. K-1/28
North : Road
South : Building on Plot No. K-29

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-3-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-82/2589/78-79/6718 -
Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-2/9 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

(1) Shri J. M. Ganguli,
s/o Shri B. B. Ganguli
r/o House No. 49, Kalkaji,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan,
s/o Shri Chander Bhan,
r/o H. No. 1346, Krishna Gali
Gali Gulyan, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri M. K. Aggarwal &
Smt. Ila Banerjee.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House No. F-2/9, measuring 227.57 sq. yds. (272.22 sq.) mts. situated at residential colony known as Model Town, Delhi near Kingsway Camp, Mall Road, Delhi and bounded as under :—

East : Property No. F-2/10
West : Property No. W-2/8
North : Property No. F-3/9
South : Road.R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.Date : 17-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th December 1978

CR No 62 19202/78-79/ACQ/B—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing land Survey No. 132 situated at Pattandur Agrahara Village K R Puram Hobli Bangalore South Taluk 560048 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Bangalore Doc No 1762/78 79 on 21-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M/s Charlu Industries and Presently known as "White Field Industries, No 41-43, Lavelle road, Bangalore-1, represented by its partner Sri Nagai Nagabhushan

(Transferor)

(2) M/s Yuken India Limited, White Field road, Bangalore-560048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1762/78-79 Dated 21-7-78]

All that piece and parcel of converted land in survey No 143, Pattandur Agrahar village, K R Puram, Hobli Bangalore South Taluk, Bangalore District, totally measuring 3755 65 sq metres together with building thereon 393 50 sq mtrs bounded by

E Property of Srinivasa Estates (P) Ltd being simultaneously purchased by M/s Yuken India Ltd by a separate sale deed

W Property of Srinivasa Estates (P) Ltd being simultaneously purchased by M/s Yuken India Ltd by a separate sale deed

N Survey No. 135

S Survey No. 131

P RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 28-12-1978
Seal

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th December 1978

C.R. No. 62/19204/78-79/ACQ/B. —Whereas, I,
P. RANGANATHANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 132 situated at Pattandur Agrahara Village K.R.
Puram Hobli, Bangalore South Taluk-560048(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bangalore South-Taluk, Bangalore, Doc. No. 1761/78-79 on
17-7-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

(1) M/s Srinivasa Estates Private Limited., Represented
by its Director, Sri M. Ramachandran No. 74,
Narasimharaja Road, Bangalore-56 002.

(Transferor)

(2) M/s. Yuken India Limited, White Field road,
Bangalore-560048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1761/78-79 Dated 17-7-78]

All that piece and parcel of converted land in survey No.
132, Pattandur Agrahar village, K.R. Puram, Hobli, Banga-
lore South Taluk, Bangalore District, measuring 19514.35 sq
meters together with all trees thereon bounded by :

East : Village Road.

West : Property of Charlu Industries simultaneously pur-
chased by M/s Yuken India Ltd. by a separate
sale deed.

12,265.69 sq. meters

North : Survey No. 135

South : Survey No. 131.

P. RANGANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bangalore

Date : 28-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-560001, the 31st January 1979

C R No. 62/19412/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 98/1 situated at VI Main Road, Malleswaram Bangalore 560 003, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Document No. 1543/78-79 on 5-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) C. Chandramouli, 2. C. Ashok,
No. 112-A, 11th Cross Road,
Malleswaram, Bangalore-560003

(Transferor)

- (2) Smt. H. R. Sunanda,
W/o Sri Rangaswamy,
No. 116, Magadi Road-Chord Road,
Bangalore-560 040.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1543/78-79 Dated 5-7-78]
All that piece and parcel of house bearing old No. 696/B New No 98/1, VI Main Road, Malleswaram, Bangalore-560003. (Division No. 4).

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 31-1-1979
Seal :

FORM ITNS-- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 31st January 1979

C.R. No. 62/19973/78-79/ACQ/B.—Whereas, I,
P RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/4 10th Cross, situated at Magadi Road, Bangalore-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 1132/78-79 on 4-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Desu Ramanjanayalu,
No. 770, V Block, Rajajinagar,
Bangalore-560010.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Satish Babu,
Minor by guardian Smt. D. R. Aswathamma,
No. 770, V Block, Rajajinagar,
Bangalore-560010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1132/78-79 Dated 4-7-78]
Southern half of Eastern portion of House property No. 79/4, 10th Cross, Magadi Road, Divn. No. 13 Bangalore-23

P. RANGANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 31-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31st January 1979

C.R. No. 62/19988/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, R. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 79/4 situated at 10th Cross, Magadri Road, Bangalore Dn. 13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 1191/78-79 on 11-1-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—6G1/79

(1) Sri Desu Ramanjaneyulu,
s/o Desu Narayanaswamy Chetty,
No. 770, V Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Sri D. R. Natesh Babu,
s/o Desu Ramanjaneyulu,
Minor by Guardian, Smt. D. Aswathamma,
No. 770, 5th Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1191/78-79 Dated 11-1-78]
Western portion of house property bearing Municipal No. 74/4, 10th Cross, Magadi Road, Bangalore Dn. 13.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 31-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st February 1979

C.R. No. 62/20360/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, R. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vacant site bearing No. 2272/6, situated at 30th 'C' Cross, V Block, Jayanagar, Bangalore (Divn. No. 35)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 1170/78-79 on 10-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri J. H. M. Khatarya,
S/o Heerachand,
No. 226/39, C. Cross,
5th Block, Jayanagar,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Jayalakshmi Krishnan,
W/o Sri K. C. Krishnan,
No. 130, Suvena Street,
Abbasabad, Teharan, Iran.
Rept. by her GPA holder
M. A. Venkateswaran,
S/o Appadurai Iyer,
Layout, 4th Block, East, Jayanagar,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1170/78-79 Dated 10-7-78]
Vacant site bearing No. 227/26, 39th 'C' Cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundries :
North : Road,
South : Site No. 238
East : Site No. 228 and
West : Road.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-2-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th February 1979

C.R. No. 62/20060/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, R. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1389/A/52, situated at Bull Temple Road, East, Bangalore-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 1044/78-79 on 3-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nijaguna Swamygalu,
Matadhipathi Jangamutt (Sunknahalli),
Gavipuram Extension, II Main Road,
Bangalore-19.

(Transferor)

(2) Akhila Bharatha Sri Raghavendra Seva Samithi
(Regd.) No 101, R. V. Road, Basavanagudi,
Bangalore-4, Reptd. by Shri H. R. Subramanya Iyer
and Shri Y. V. Keshavamurthy, President and Hon
Secretary of the Purchaser Samiti, respectively

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1044/78-79 Dated 3-7-78]
Property bearing site No. 1389/A/52 Bull Temple Road
East, Bangalore-19.

Boundaries :

East=Bull Temple Road,
West=Site No. 1388 and B M. S. College,
North=Road and
South=B.M.S. Engineering College.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 17th February 1979

C.R. No. 62/20056/78-79, ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing old Municipal No. 556 and New No. 17, situated at Sajjan Rao Road, V.V. Puram, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 1145/78-79 on 11-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. V. Padmavathama,
W/o Sri Ramaiah Setty,
No. 17, Bungal Mutt Road, V.V. Puram,
Bangalore-4. (Transferee)
- (2) Shri Balakrishna,
S/o Sri S. Doddanajappa,
No. 5 Narayana Setty Pet,
Bangalore. (Transferee)
- (3) 1. Shri P. R. Munratnam, Manager,
Subiamanyeswara Co-operative Bank Ltd.,
Gandhinagar, Bangalore.
2. D. T. Narayana Murthy
3. Krishnamurthy,
4. T. S. Subbiah Setty,
Booking Clerk, Abhinaya Theatre,
B. V. K. Iyengar Street,
Bangalore.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri T. R. Srikanth Setty,
2. Shri T. S. Parimala
(D/o Shri V. Ramaiah Setty)
W/o T. R. Srikanth Setty.
[Person(s) whom the undersigned
knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 1145/78-79 Dated 11-7-1978]
Property bearing old No. 556 and New No. 17, Sajjan Rao Road, V.V. Puram, Bangalore-560 004.

Boundries:

East=Road,
West=Sri Venkatananjiah Setty's house
North=Mrs. Girijamma's property and
South=Sri Rudraiah Setty's house.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 17-2-1979
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 22nd January 1979

P.R. No. 645/Acq-23-1220/6-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 65, Open land situated at Nagarvada, Karelibaug area, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-7-1978 & 4-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhailalbhai Jimjibhai Patel,
Nagarvada, Gate Faliya,
Baroda.

(Transferor)

(2) President,
Adhyapaknagar Co-Op. Housing Society Ltd.,
C/o Decolyte,
Baroda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing R.S. No. 65 admeasuring Acre-1 and Gunthas 31 (Paiki) situated at Nagarvada, Karelibaug area, Baroda duly registered by registering Officer, Baroda, vide sale-deeds No. 2458/1-7-78 and 2478/4-7-78 and property as fully described in the sale deeds.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-1-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd January 1979

No. Acq 23-I-1799(773)/16-6/78-79 —Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Three storeyed building known as "Bimal House" situated at Gondal Road, Opp: Bombay Garrage, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gnishkumar Kakubhai,
Warden Road, Surya Apartments,
Block No. 34, Bombay-26.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamladevi Govinddas Udeshi,
"Bimal House" Opp: Bombay Garrage,
Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Bimal House", situated at Gondal Road, Opp: Bombay Garrage, Rajkot standing on land admt 285-5-85 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2756/6-7-78 and as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 23-1-1979

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1979

P.R. No. 646Acq.23-1253/19-2-/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No 15, Shri Chalthan Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali Ltd. situated near Chalthan Rly. Station, Chalthan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khedut Sahakari Ginning & Pressing Society Ltd.
President :
Shri Mangubhai Tallubhai Desai,
Palsana.
Manager :
Shri Maganbhai Bhikhabhai Patel,
Valan.

(Transferor)

- (2) Shri Chalthan Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali Ltd.
President :
Shri Thakorbhaj Narottambhai Patel,
Khambhasala, At present : Surat.
Managing Director :
Shri Bhanuprasad Chhotalal Jha,
Chalthan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building standing on land bearing Block No. 15, admeasuring 6 Acre & 06 Gunthas situated near Chalthan Rly. Station, Chalthan, Dist. Surat, duly registered by registering Officer, Kamrej vide Sale-deed No. 183/78 duly recorded in the fortnight ending 15-7-78 and as fully described in the sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1979

Ref. No. P.R. No. 647Acq.23-1254/19-7/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 96-97 out of Sur. No. 127 situated at Sultanabad, Near Dumas, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chimanlal Mulchand Reshamwala;
Shri Chandrakant Mulchand Reshamwala;
Nava Para, Golvad, Fakira Pujani Sheri,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Dahyabhai Patel;
Village : Bhimpur,
Chorasi, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Sultanabad, near Dumas Survey No. 96 & 97, out of Survey No. 127, Dist. Surat, duly registered by Registering Officer, Surat vide Registration No. 3084 in the month of July, 1978 and as fully described in the sale deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1979

Ref. No. P.R. No. 648Acq.23-1255/6-1/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 335/1B situated Sidhwai, Mata Road, Pratapnagar, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—6GT/79

- (1) Mrs. Mangula Poonamchand Shah
Bates Hill, 41, Pali Hill Road,
Bandra (West), Bombay-400 050

(Transferor)

- (2) Shanti Puri Co-op. Housing Society Ltd
c/o Nirmal Consultants,
17 Gokul Society, Pratapnagar, Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 335/1B situated at Sidhwai Mata Road, Pratapnagar, Baroda in Baroda Kasha admeasuring 1 Acre and 1 guntha or thereabouts equivalent to 43 674 sq. ft. and fully described in the sale-deed registered at the office of Registering Officer, Bombay vide No R-671/78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1979

No. Acq.23-I/1889/1-1(PR.777)/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 66-2-2, TPS. No. 20, F.P. No. 167 paiki Plot No. 2 situated at Mithakhali *alias* Changispur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shrimati Muktagauri
w/o Shri Jethalal Kacharabhai,
Kailash Kunj Society,
Behind Lal Bungalow,
Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) 1. Shri Arvind Chandulal Shah;
2. Shri Hemendra Chandulal Shah;
Panjara Pole, Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 419 sq. yds. bearing S. No. 66-2-2, F.P. No. 167 paiki Sub-plot No. 2, of T.P.S. No. 20, situated at Mithakhali *alias* Changispur, Ellisbridge, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered *vide* Registration No. 4437 in the month of July, 1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th January 1979

Ref. No. P.R. No. 644 Acq.23-1195/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 195, Udhna, Dist. Surat situated at Mugat Dyeing Lane, Opp. West Channels, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Harilal Thakershi;
Limda Sheri, Haripura,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Arunkumar Narandas Trivedi;
Shri Ashvin Nagindas Shah;
Shri Vasant Gandabhai Chapatvala;
11-Kiran Apartment, Athwa Gate,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Survey No. 195 at Udhna, Dist. Surat (about 4 kms. from Udhna, near Mugat Dyeing Lane, Opp. West Channels) admeasuring 1076-90 sq. mts. as described in the sale deed registered under registration No. 3031 in the month of July, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 15-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1979

No. Acq.23-I-1806(779)/16-1/78-79.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Plot No. 56, Cinema Theatre known as Ganga Cinema
(15% share) with shops situated at Bhakumbhaji Para, Dhoraji,
Distt Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Dhoraji, on 7-7-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property, and I have reasons to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

- (1) Shri Mehendi Hadibhai Budhwani,
Khakharapar, Dhoraji, Dist. Rajkot. (Transferor)
(2) Lilavanti Hirji Rabhiya,
C/o Vira Store, Crawford Market,
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as Ganga Cinema with shops in Plot No.
56 (Paiki land adm. 3562-7-6 sq. yds.) (15% share) situated
at Bhakumbhaji Para, Dhoraji Dist. Rajkot, duly registered
by Registering Authority, Dhoraji vide sale deed No 489/
7-7-1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date, 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE ASHOKAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009 the 9th February 1979

No. Acq 23 I 1807(780) 16 1/78-79 — Whereas I
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section
269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 - and bearing No.
Plot No. 56 Cinema Bheatie known as Ganga Cinema
(15% share) with shops situated at Bhakumbhappura
Dhoraji, Dist. Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Dhoraji on 7-7-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Kulsum S. Tharani
C/o Galaxy Cinema, Dhoraji
Dist. Rajkot

(Transferor)

(2) Shri Narendia Liladhai
C/o Vira Stores, Crawford Market
Bombay

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Building known as Ganga Cinema with shops in Plot No.
56 (Panka land adm. 35627.6 sq. yds.) (15% share) situated
at Bhakumbhappura Dhoraji Dist. Rajkot duly registered
by Registering Authority, Dhoraji vide sale deed No. 482/
7775 etc. property as fully described therein

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date 9.2.1979
Scd

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-280 009, the 23rd February 1979

No. Acq. 23-I-1800(784)/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot in Nalah situated at Kewdawadi Main Road, Nr. Canal Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohanlal, Nareshibhai Tankaria,
R/o Bombay. (Transferor)
- (2) Smt. Ramagauri Mansukhlal Tank,
7, Laxmiwadi, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in Nalah adm. 245 sq. yds. situated at Kewdawadi Main Road, Nr. Canal Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer of Rajkot, vide sale deed No. 2767/July, 1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohanlal Naresbhai Tankaria,
of Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mansukhlal Narshibhai Tank,
7, Laxmiwadi, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-280 009, the 23rd February 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Acq.23-I-1800(785)/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot in Nalah situated at Kewdawadi Main Road, Nr. Canal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Rajkot in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

THE SCHEDULE

Open plot of land in Nalah adm. 245 sq. yds. situated at Kewdawadi Main Road, Nr. Canal Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer of Rajkot, vide sale deed No. 2766/July, 1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1979

No. Acq.23-I-1904(791)/1-1/78-79 Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. F.P. No. 94 Sub Plot No. 3 T.P.S. 19 situated at Usmanpura, behind Navrang High School, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

(1) Smt. Dahiben
wd/o Shri Maneklal Chhotalal
Lalbawano Timbo, Dariapur,
Ahmedabad

(Transferor)

(2) Jangiram Co Op Hous Soc Ltd
through :

1 Chairman
Shri Girishbhai Maganlal Manani,
Pathik Society, Naranpura,
Ahmedabad

2 Secretary :
Shri Bhikhalal Kantilal Shah,
Jatni Pole, Sankadisheti,
Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land adm 2100 sq. yds. bearing F.P. No. 94, Sub-Plot No. 3, of T.P.S. 19, situated at Usmanpura, Behind Narang High School, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R No 7511 dated 31-7-1978

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated : 13-3-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,
GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411 005

Pune-411 005, the 6th March 1979

Ref. No. CA5/SR.KARVEER/Nov'78/419 —
Whereas, I, SMT. P. TALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1325/204 situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karveer on 3-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18—6GI/79

(1) New United Engineering Works :

Partners :

1. Shri Gopal Dattatraya Chavan,
Plot No. 8, Pratibhanagar,
E-Ward, Kolhapur
2. Shri Pandurang Govind Patil,
H. No. 2508, A-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Keshavrao Jadhav,
2267, B-Ward, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tukadi Jilha, Kolhapur, Pottukadi, Tahsil, Karveer,
Ward, Udayam Nagar, Kolhapur C.S. No. 1325/204.
Area : 245 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2795 dated 3-11-78 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. TALWANI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 6-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,
GANESH KHIND ROAD, PUNE-411 005

Pune-4110005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SRSolapur/Nov'78/418.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 8636 i.e. House No. 98, situated at Solapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solapur on 1-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Abdul Wari, 2. Shri Abdul Waris, 3. Shri Abu Bakar, 4. Shri Ahmedsaheb Aziz Shaikh, 5. Railway Lines, Solapur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Nandkumar, 2. Shri Rajaram, 3. Shri Prakash Bhikaji, 4. Shri Santosh Vyankatesh Bhikaji, 5. Smt. Ratnabai Bhikaji Revankar, 98, Gold Finch Peth, Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 8636, i.e. house No. 98, Gold Finch Peth, Solapur.

Area : 461.4 sq.m.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2438 dated 1-11-78 in the office of the Sub-Registrar, Solapur).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Dated : 7-3-1979.

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Phutermal Saremal Jain & others, Bhiwandi, Tal. Thane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amrutlal Ranmal Dodia, S/o Ranmal Dodia as Karta of M/s Ranmal N. Dodia, Bhiwandi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHANKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,
GANESH GHIND ROAD, PUNE-411 005

Pune-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Bhiwandi/Sep'78/423.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 131, Hissa No. 1 situated at Bhiwandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhiwandi on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 131, Hissa No. 1, at Bhiwandi.
Area : 1780 sq. yds.

(Property as described in the sale deed registered under No. 739 dated 1-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Bhiwandi).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 7-3-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNA-411004.

Poona-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Bhivandi/Scp'78/421.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 131, Hissa No. 1, situated at Kamatghar, Tal. Bhivandi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhivandi on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

(1) Shri Rajendrakumar Futermal By Futermal Satmalji, 172, Manisha, Jain Park, Block No. 301-A, M. H. No. 27, Byculla.

(Transferor)

(2) M/s Kamal Dyeing and Printing Works, Narpoli, Bhivandi, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 131, Hissa No. 1, Kamatghar, Tal. Bhivandi, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 737 dated 1-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Bhivandi).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Dated : 7-3-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anant Ganesh Jamsandekar, 1113, E-Ward, Skyes Extension, Kolhapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tembe Steel Industries Pvt. Ltd. Kolhapur, Shri Mandar Madhav Tembe, C-Ward, C.T.S. No. 1355, Laxmi Puri, Kolhapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

Pune-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Karveer/Nov'78/420.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T. S. No. 2094, situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Kolhapur on 9-11-1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at C.T.S. No. 2094, E-Ward, Kolhapur.

Area : 31400 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2873 dated 9-11-78 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Dated : 7-3-1979.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Popatlal Futermal, By Futermal Sermal Jain,
172, Manisha Jain Park, Block No. 301A, m. H.
No. 27, Byculla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,

(2) M/s Kamal Dyeing and Printing Works, Narpoli,
Bhiwandi, Dist. Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Poone-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Bhiwani Sept/422.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the competent authority under section 269B of the In-
come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable pro-
perty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
S. No. 131 H. No. 1 situated at Kamatghar, Tal.
Bhiwandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Bhiwandi on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising
from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

S. No. 131, H. No. 1, Kamatghar, Tal. Bhiwandi.
Out of 7381 sq. yds. 4933 sq. yds.

(Property as described in the sale deed registered under
No. 738 dated 1-9-78 in the office of the Sub-Registrar,
Bhiwandi).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 7-3-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.**

Poone-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Dec.'78/426.—Whereas, 1, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 situated at Mouje Panchpakhadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Kausalyadevi Verma, 15, Mayfair, Vir Nariman Road, Bombay-20.

(Transferor)

(2) Shri W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2, part Area : 3.38 out of which 1 1/2 hissa in Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 498 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

SMT. P. LALWANI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 16-3-1979.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

Pune-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Decr'78/425.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gat No. 56, S. No. 42, situated at Mouje Panchpakhadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Deepak Tekchand Varma,
6, Ravindra Mansion, Dinesh Vacha Road,
Bombay-20.

(Transferor)

(2) Shri W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd.
Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 part area 3.38 out of which 1/6 hissa, at Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane, (Property as described in the sale deed registered under No. 499 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 16-3-1979
Seal :

FORM ITNS -----

- (1) Shri Dharmendra Tekchand Verma,
Vir Nariman Road, 15, Mayfair, Bombay-20.
(Transferor)
- (2) W. G. Forge and Allied Industries Co. Lt. Thane.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

Poone 411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Dec'78/428.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Gat No. 56, S. N. 42/12 situated at Mouje Panchpakhadi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Thane on 4-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely : —

19—6GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42/12, part area 3.38 out of which
1/2 Hissa, at Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No.
497 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

SMT. P. LALWANI.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poone.

Dated : 16-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Poona-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Dec'78/430 —Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 situated at Mouje Panchpakhadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Hardayal Varma, through Deepak Tekchand Varma, 6, Ravindra Mansion, Dinesh Vachha Road, Bombay-20
(Transferor)
- (2) W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd. Thane.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 part area 3.38 out of which 1/6 hissa. at Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 503 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona)

Dated 16-3-1979
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Smt. Veerabhala Reddy,
15, Mayfair, Vir Nariman Road,
Bombay-20.

(Transferor)

(2) W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd. Thane.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Poone-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Dec'78/431.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Gat No. 56, S. No. 42, Hissa No. 1/2 situated at Mouje
Panchpakhadi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Thane on 4-12-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, Hissa No. 1/2 part area 3.38 out
of which 1/6 Hissa, at Mouje Panchpakhadi, Tal. and Dist.
Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No.
500 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona)

Dated : 16-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagawan Lala Bulbule,
202/7, Shukrawar Peth,
Solapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Poone 411005 the 16th March 1979

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No CA5/SR.Solapur/Sept'78/424 —Whereas, I,
SMT P LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing

No C F S No 4148, situated at Solapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Solapur on Sept 78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at CTS No 4148 at Solapur.

Area 68.6 sq. mts

(Property as described in the sale deed registered under
No 2273 in the office of the Sub-Registrar Solapur)

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poone

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated 16.3.1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1 Smt Savitrai Hardayal Varma,
2 Shri Deepak Tekchand Varma,
Ravindra Mansion Devesh Vanka Road, Bombay-20
3 Smt Kausalyadevi Tekchand Varma
15, Mayfair Vir Nairman Road, Bombay-20

(Transferor)

- (2) W. G. Forge and Allied Industries Ltd Co Thane
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

Poone-411005, the 16th March 1979

Ref No CA5/S R Thane/Dec 78/427 ~ Whereas I, SMT P LALWANI, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Gat No 56 S No 42 H No 1/2, situated at Mouje Panchpakhadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No 56 S No 42 H No 1/2 part area 338 out of 112 Hissa at Mouje Panchpakhadi, Tal & Dist Thane

(Property as described in the sale deed registered under No 502 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar Thane)

SMT P LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poone

Dated 16-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA.

Poona, the 16th March 1979

Ref. No. C A5/SR.Thane/Dec.78/429.—Whereas, 1.

SMT. P. LALWANI,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 situated at Mouje Panchpakhadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Deepak Tekchand Varma,
Ravindra Mansion, Vacchu Road, Bombay.
2. Koushalyadevi T. Varma,
15, Mayfair, Veei Nattman Road, Bombay-20.
3. Savitribai Hridayal Varma,

(Transferor)

- (2) W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 part area 3.38 out of which 1/6 Hissa at Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 503 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 16-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, POONA.

Poona, the 17th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Karveer/Nov.78/423. —Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 609, situated at Shirol Dist. Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karveer on Nov. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ratnaprabha Vishwasrao Ghorpade,
Ward E-334, Dattawad House,
New Shahupuri, Kolhapur

(Transferor)

(2) 1. Bhingappa Ratnappa Hemgie,
2. Ramchandra Mahadeo Magdum,
3. Shripal Kallappa Chougule,
4. Charitra Kallappa Chougula,
3/4, Dattawad, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 609,
Area : H. R. 7-58 at Tuhsil Karveer Shirol, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under No 66 dated Nov. 78 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 17-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 29th January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/514.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Godown No. 1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 1-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kumari Rashmi Bansal D/o Sh. Krishan Bansal Plot No. A-27 Kantichander Road, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)
(2) Smt. Bimla Devi w/o Sh. Maseshkumar E-8 Bani Park, Jaipur.
(Transferee)
(27 of 1957);
(3) M/s. Podar Spinning Mills, Jaipur (Tenent).
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat upon Godown No. 1 situated at Gulab Path Chomu House Sardarpatel Marg, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1785 dated 1-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 29-1-79
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Kumari Rashmi Bansal D/o Sh. Krishan Bansal Plot No. A-27 Kantichandra Road, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Dinesh Kumar s/o Sh. Gopaldas Khandelwal L-8 Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 29th January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/515.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Godown No. 1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—6GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor portion of Godown No. 1 Situated at Gulab Path Chomu House Sardr Patel Marg, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1784 dated 1-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 29-1-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 29th January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/516.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Godown No. 2 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 24-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kumari Rashmi D/o Sh. Krishan Bansal, Plot No. A-27 Kantichander Road, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)
- (2) Sh. Om Prakash and Damodar ss/o Shri Bilasrai Bagoria 114E Maharani Gyatri Devi Market, Jaipur.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat upon Godown No. 2 situated at Gulabpath Chomu House Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1693 dated 24-7-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur,

Dated : 29-1-79
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th January 1979

Ref No Raj/IAC(Acq)/517—Whereas, I, HARI SHANKER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Godown No 2 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(1) Kumari Rashmi D/o Sh Krishan Bansal, Plot No. A 27 Kantichander Road, Bani Park, Jaipur
(Transferor)

(2) Sh Bilasrai Bagoria and Sh Rajesh Kumar S/o Sh Bilasrai Bagoria E 144 Maharani Gayatridevi Market, Jaipur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ground floor portion of Godown No 2 situated at Gulab Path, Chomu House Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R Jaipur vide registration No 1694 dated 24-7-78

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated 29-1-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 6th March 1979

Ref No Raj/IAC (Acq)/530—Whereas, I,
HARI SHANKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 22.8.78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Sh Manphool Ram S/o Chetan Ram Kumar Chak
6 E Chhoti, Tehsil Sriganganagar

(Transferor)

(2) Sh Chhaganlal Nagauri S/o Kalu Ram C/o Nagauri
Iron Store, Dhan Mandi, Sriganganagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Bigha and 17 Bishwas of Agricultural Land situated at 6-E Chhoti and more fully described in the sale deed, registered by S R Sriganganagar vide registration No 1536 dated 22-8-78

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 6-3-1979
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 6th March 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/78-79/531.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 situated at Sriganganagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 14-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Manphool Ram S/o Shri Chetan Ram Kumhar
Chak 6-E Chhoti, Sriganganagar (Raj.)

(Transferor)

(2) Sh. Pradheep Kumar S/o Shri Chhaganlal Agrawal,
C/o Nagauri Iron Store, Dhan Mandi, Sriganganagar
(Raj.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Bigha of Agricultural land of Khata No. 31, situated at 6-E Chhoti and much more fully described in Sale Deed registered by S.R. Sriganganagar vide his registration No. 1745 dated 14-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 6-3-79
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Manphool Ram S/o Chetan Ram Kumhar Chak 6-E Chhoti, Sriganganagar (Raj.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 6th March 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/78-79/532.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 6-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Meena Devi W/o Chhaganlal Agarwal C/o Nagauri Iron Store, Dhan Mandi, Sriganganagar (Raj.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Bigha of agricultural land of Kila No. 16 situated at Chak 6-E Chhoti, Sriganganagar and much more fully described in the Sale Deed registered by S.R. Sriganganagar vide his registration No. 1744 dated 6-9-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 6-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manphool Ram S/o Chetan Ram Kumhar Chak
6-E Chhoti, Sriganganagar (Raj).

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Kumar S/o Chhaganlal Agarwal C/o
Nagauri Iron Store, Chan Mandi, Sriganganagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 6th March 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/78-79/533.—Whereas, I,
HARI SHANKERbeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sriganganagar on 27-7-78for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under in the said Act,
-
- in respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or which
-
- ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Bigha of Agricultural land of Kila No. 15 situated at
6-E Chhoti, Sriganganagar and much more fully described in
the Sale Deed registered by S.R. Sriganganagar vide his regis-
tration No. 1535 dated 27-7-78.HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 6-3-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 19th March 1979

Ref. No. RAI/IAC(Acq)/537. —Whereas, I, HARI SHANKER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Hanumangarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 9-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Banwarilal S/o Shri Badi Chand Caste Agarwal-Resident of Hanumangarh Town Distt. Sriganagar.

(Transferee)

(2) Smt. Santo W/o Shri Dule Singh caste Rajput, resident of Rodowali, Teh. Hanumangarh Distt. Sriganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 Bighas of Agricultural land situated at Chak No. 11 L.L.W. Teh. Hanumangarh, and much more fully described in the sale deed, registered by S.R. Hanumangarh vide registration No. 1228 dated 9th Aug. 1978.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-3-79
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th March 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/537.—Whereas, I,
HARI SHANKER

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Hanumangarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 9-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—6GI/79

- (1) Shri Banwarilal S/o Shri Badri Chand Caste Agarwal resident of Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

- (2) Shri Dule Singh S/o Shri Khoom Singh Resident of Rodawali, Teh. Hanumangarh Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 Bighas of Agricultural land situated at Chak No. 11 L.L.W., Teh. Hanumangarh and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Hanumangarh vide registration No. 1227 dated 9-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 19-3-79
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Kamla Devi Sharma, Widow Bhagwati Prasad Sharma, 13/387, Civil Lines, Distt Kanpur
(Transferor)

(2) Shri Ram Kumar Gupta W/o Dwarika Pd Gupta, Avadhesh Kumar Gupta, Sudhir Kumar Gupta (both Minors) Through his mother Smt Phoolmati Devi Widow Dwarika Pd and Smt Phoolmati Devi W/o Late Dwarika Pd Gupta R/o Vill & P O Koda, Jahanabad, Distt Fatchpui

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th September 1978

Ref No Acq/175/Kanpur/78 79 — Whereas, I, B C CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per Scheduled situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4 7 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building bearing No C-21, Sarvodaya Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 70,000/-.

B C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated - 29-9-78
Seal ;

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th February 1979

Ref. No. 699-A/Kan./78-79.—Whereas, I, B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 19-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Dr V. Ranganathan,
S/o Late G Vainkarama Iyer,
C-198 Defence Colony, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Asha Khanna,
Smt. Rita Khanna,
7/62 Tilak Nagar, Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 573 Kakadev, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 74,200/-.

B C CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 8-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th February 1979

Ref. No. 626-A/Haridwar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 25-81-978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Krishna Chandra s/o Amichand
R/o Village & Post Nihalkhera, Rajalka Distt.
Firozpur Mukhtar-Am Minajanib
Jamuna Devi w/o Amichand
R/o Unat Village, Nihalkhera through
Mukhtar Nama registered,
Surajmal, Advocate s/o Chaudhary Khetaram,
Mukhtar-Am Minajanib Laxmi Chand S/o Hariram,
Unat Village, Nihalkhera, Distt. Firozpur.
(Transferor)
- (2) Gujar Bhawan Dharamshala Haridwar registered
Distt. Saharanpur through Chaudhary Bharat Singh,
Secretary, Unat Bhawan s/o Chaudhary Prithvi
Singh r/o village & Post Jhabrera Tele, Tah. Roorkee
Distt. Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at village Ahampur Karad, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 17,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 38,200/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 9-2-1979

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th February 1979

Ref. No. 647-A/Haridwar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 13-9-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Durga Prasad Khosala
s/o Late Ganga Prasad Ji
R/o Tenal Halt, Kashipur, Haridwar
Patg. Jwalapur Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Ganga Sabha registered Haridwar Distt. Saharanpur through Sardar Anand Prakash Sharma Secretary Ganga Sabha S/o Sardar Kripa Ram R/o Moh. Chaklan, Jwalapur Teh. Roorkee Distt. Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property situated near Railway Lines near Ratan Cinema the apparent consideration for which has been shown at Rs. 125,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 160,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th February 1979

Ref. No. 725 A/Handwar/78-79—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHIDULF (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Handwar on 25.8.78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surajmal, Advocate s/o Kheta Ram
R/o Village & Post Nihalkhera Teh. Fajlaka Distt.
Ferozpur Mukhtar Am Min Janib Raja Ram s/o
Chaudhary Ramatam r/o Vill. Unat Post Nihalkhera Teh. Fajlaka Distt. Ferozpur.

(Transferor)

- (2) Gujjar Bhawan Dharamshala, Haridwar registered
Distt. Saharanpur through Chaudhary Bhatat Singh,
Secretary Unat Bhawan s/o Chaudhary Prithvi Singh
r/o vill. & Post Jhabrera-Tele, Roorkee Distt.
Saharanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at village Ahampur Karad, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 17,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 38,200/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated 9-2-1979
Seal

FORM ITNS—

- (1) S/Shri Som Datt, Madan Singh, Mangal Singh
Sons of Amin Singh
R/o Post Mumma Pargana Bhu Sa. Tehsil Jansath
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) S/Shri Vedpal s/o Malkhan Singh,
Raghuviri w/o Vedpal Singh, Sohan Pal, Om Vir,
Chandra Pal s/o Ved Pal Singh
R/o Hal Post Mumma (Muzaffarnagar).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd February 1979

Ref. No. 593-A.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 14-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Mumma (Muzarnagar) sold for an apparent consideration of Rs. 35,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 8,51,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 22-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd February 1979

Ref. No. 499-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kairana on 4-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Phullu s/o Sri Dattu
R/o village Bhaju, Parg. Shamli
Tehsil Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ram Narain and Ram Rattan
S/o Ram Swaroop
R/o Village Bhaju Parg. Shamli,
Teh. Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Bhaju Parg. Shamli Teh Kairana Distt. Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 67,500/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 22-2-1979

Seal :

FORM TTS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd February 1979

Ref. No. 596-A/M.Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 28-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-661/79

- (1) Shri Yogendra Singh s/o Rameshwar Dayal
1/o Sambalheda
Post Khas Distt. Muzaffarnagar

(Transferor)

- (2) S. Shri Lallar Singh s/o Prigam Singh
Mustaphal Amar Kaur w/o Kartar Singh,
Sadhu Singh, Ujagar Singh, Mahendra Singh,
s/o Kripa Singh, Bhagwandas, Shiv Lal, s/o Khushi
Ram 1/o Sambal Heda Post Khas Distt. Muzaffar-
nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sambal Heda sold for Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 22-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd February 1979

Ref. No. 595-A/M.Nagar.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 15-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surendra Singh s/o Rameshwar Dayal
R/o Samval Heda Teh. Jansath
Distt. Muzaffarnagar,

(Transferor)

- (2) S/Sardar Kartar Singh s/o Pritam Singh
Smt. Amar Kaur w/o Sardar Kartar Singh,
Sadhu Singh, Ujagar Singh, Mahendra Singh
S/o Kripal Singh,
Bhagwandas, Shiv Lal s/o Khushi Ram
R/o Samval Heda Teh. Jansath
Distt. Muzaffarnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sahval Heda sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at 76,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 23-2-1979
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd February 1979

Ref. No. 663-A/Mussoorie.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Mussoorie on 27-7-78consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Rani, Ravi Kumar, Vijai Kumar,
Surendra Pal, Vinod Kumar s/o Om Prakash Sabar-
wal r/o 1 Mount View Kulari, Mussoorie.
(Transferor)
- (2) Shri Sriyana Prasad Jain s/o Kamal Pd. Jain
R/o Longh-Singh, Kulari, Mussoorie
At present Manager, Allahabad Bank, Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property Long-Singh, Mussoorie sold for an
apparent consideration of Rs. 55,500/- the fair market value
of which has been determined at Rs. 76,100/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 23-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th February 1979

Ref. No. 589-A/M. Nagar.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sukhan
s/o Shri Khiman
r/o Samval Heda
Post Khas Pargana Mumma Samval Heda
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Mool Chandra,
Shri Tirlok Chandra,
Shri Ram Chandra
s/o Samval Khera Post Khas,
Pargana Mumma Samvalkhera
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Samval Heda sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 74,300 .

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 24-2-1979
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Virendra Singh
S/o Shri Rameshwar Dayal
r/o Samval Heda Post Khas
Distt. Muzaffarnagar

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh
s/o Shri Pritam Singh,
Mst. Amar Kaur
w/o Shri Kartar Singh,
S/Shri Sadhu Singh, Ujagar Singh, Mahendra Singh
S/o S/Shri Kripa Singh, Bhagwan Das, Shiv Lal
s/o Shri Kashiram
r/o Samval Heda Post Khas Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th February 1979

Ref. No. 594-A/M. Nagat—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jansath on 28-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Samval Heda sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,800 -

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date 24-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th February 1979

Ref. No. 685-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 4-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Ramanand
S/o Sh. Chitar Mal
r/o 188 Mohalla Kanhiya Lal,
Delhi Gate, Gaziabad.

(Transferor)

- (2) Shri Winod Kumra
s/o Shri Shyam Sunder Lal
r/o House No. 74 Mohalla Chatta,
Delhi Gate, Gaziabad,
Smt. Sarla Devi
w/o Late Vishwa Nath
r/o Kasba Cadri, Haduiat Matawalia Kudarti
under guardianship of Sri Gauri Shanker urf
Ajay Kumar, age 15-16 years
s/o Shri Vishwanath.
r/o Dadri Pagana and Teh, Dadri Distt,
Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No 189-190 Delhi Gate, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 100,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 293,094/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th February 1979

Ref. No. 686-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 10-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Updesh Obroy
w/o Shri R. S. Obroy
r/o C-480 Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Kewal Kishan Mittal,
Shri Subhash Chandra Mittal
r/o 1716 Gali Madarsa Mir Jumla,
Lal Kuawa, Delhi-6.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building situated at 128 Parkash Industrial Estate G.T. Road, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 110,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 132,400/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-2-1979
Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th February 1979

Ref. No 864-A Mt —Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 22-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi
d/o Chaudhary Khan Chandra
w/o Dr. Hari Krishna Khurana
r/o Jali Kothi Colony,
Patel Nagar, Meerut.

(Transferor)

- (2) Shri Dinesh Kumar Rastogi (1/4th share)
Shri Subhash Rastogi (1/2 share)
Smt Chandravati Rastogi (1/4th share)
w/o Sri Vishambhar Sahai Rastogi
r/o 20-A Patelnagar, Meerut

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property No. 20-A, B Municipal No. 171 near Jali Kothi, Patel Nagar Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 214 000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Anulraja, Ashan Raja
S/o Shri Aliraja
r/o Vill. Baikhapur Patti
Post Kalikapur Pargana &
Tahsil Kannauj Distt. Farrakhabad.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar
s/o Shri Shiv Kumar
r/o Mohalla Chapati
Post Chapati Pargana &
Tahsil Kannauj, Distt. Farrakhabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref. No. 358/Acq/Kannauj/78-79.—Whereas, I.
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kannauj on 21-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23--6G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bairanapur Patti Post Kalikapur Pargana & Tah. Kannauj, Distt. Farrakhabad sold for an apparent consideration of Rs. 31,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 81,070/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur.

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref. No. 384/Acq/Bharthana/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bharthana on 12-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajaram
s/o Shri Buti Lal
r/o Puravali Pargana Bharthana,
Distt. Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Madho Prasad
s/o Shri Prabhu Dayal,
Smt. Sri Devi
w/o Madho Prasad,
Shri Mantri
s/o Shri Chotu,
S/Shri Premram, Chotey
ss/o Shri Thundey
r/o vill. Puravali Pargana Bharthana,
Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Puravali Pargana Bharthana Distt. Etawah sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 129,700/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref No 385/Acq/Bharthana/78 79 —Whereas I,
B C CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharthana (Etawah) on 13.7.1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri Shyam Behari
s/o Shri Rupai
r/o Bahela Post Maheva, Pargana Bharthana,
Distt Etawah

(Transferor)

(2) Shri Badan Singh
s/o Shri Hamir Singh
r/o Bahela Post Maheva, Pargana Bharthana,
Distt. Etawah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Pargana Bharthana District Etawah sold for an apparent consideration of Rs 63,500/- the fair market value of which has been determined at Rs 107,000/-

B C CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref No 391/Asq/Ch Mau/78-79 —Whereas, I,
B C CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Chibramau on 4-7 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely —

- (1) Smt Ram Kunwar
w/o Shri Har vilas
r/o Arah Pargana Sakatpur
Tah Chibramau, Distt Farrakhabad

(Transferor)

- (2) S/Shri Ramesh Chand, Ram Prakash
Chaturbhuji, Manoj Kumar, Ajay Kumar
minor ss/o Shri Ram Chandra
r/o Arah Pargana Sakatpur,
Tah Chibramau, Distt Farrakhabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Arah Pargana Sakatpur Tahsil Chibramau Distt Karakhabad sold for an apparent consideration of Rs 22,000/ the fair market value of which has been determined at Rs 55,100/

B C CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 28-2-1979

Seal

FORM NO. I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref. No. 412/Acq/Bharthana/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Bharthana on 8-8-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Kaushal Kishore Tandon
s/o Shri Jugal Kishore Tandon
r/o Kunj, Distt. Etawah.
(Transferor)
- (2) S/Shri Ajay Kumar, Vijay Kumar,
Major Vinod Kumar, Pramod Kumar
minor under guardianship of Ram Lakhan Gupta
and wife Smt. Shakuntala Devi
w/o Sri Ram Lakhan Gupta
r/o Homganj Pargana Bharthana,
Distt. Etawah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Takpura Praganja
Bharthana Distt. Etawah sold for an apparent consideration
of Rs. 24,000/- the fair market value of which has been
determined at Rs. 95,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Kanpur.

Date : 28-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref. No. 451/Acq/Hathras78-79.—Whereas 1, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 26-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Prasad
s/o Shri Rameshwar Dayal
r/o Sadabad, Hathras,
(Transferor)
- (2) Shri Vishan Swarup
Shri Laxmi Narain,
S/Shri Radhey Shyam, Ram Babu, Dinesh Kumar
ss/o Shri Vishan Swarup
r/o Sadabad, Hathras,
Distt. Aligarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property situated near Dwarkadhish Ji Mahara], Sadabad Tahsil Hathras Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 1,53,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Nand Kishore Bajoria, Badri Pd Bajoria,
S. N. Bagla, Shiv Shanker Bajoria,
125 Shyam Prasad Mukherjee Road, Calcutta
(Transferor)

(2) M/s. Star Paper Mills Ltd.
27 Brabourne Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. 488-A/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. as per schedule situated at as in schedule
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Saharanpur on 25-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land, Bungalow, Godown and staff quarters situated at
Jawalapur Road, Hardwar Road, Jwalapur Distt. Saharanpur
sold for an apparent consideration of Rs. 700,000/- the fair
market value of which has been determined at Rs. 9,81,670/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-3-1979

Seal :

FORM [TNS]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th March 1979

Ref. No. F. No. 295/Acq./Mathura/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Met (Mathura) on 31-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Bakshi Singh, r/o Mat Mula Post Mat Distt. Mathura, present 17/18 Windsor Mansions, Janpath Lane, New Delhi.
- (1) S/Shri Bhudhar Singh, Udai Singh, Shyam Babu s/o Shri Chirmoli r/o Mat Mula Parg. & Tah. Mat, Distt. Mathura.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Mat Mula Bangar Tahsil Mat, Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,290/-:

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7-3-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 7th March 1979

Ref. No. F. No. 428/Acq./Etamadpur/78-79.—

Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Etamadpur (Agra) on 15-7-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—6GT/79

- (1) Shri Ram Kumar s/o Shri Bhagwan Singh
r/o Nagla Harram Majra Khanda,
Post Khanda Pargana Etamadpur, Distt. Agra.

(Transferor)

- (2) Shri Rajvir Singh s/o Shri Bhuri Singh Adult and
Turfa Singh minor ss/o Sri Choba Singh
Shri Vilayat Choba Singh s/o Shri Angada Singh
r/o Nagala Dhokal Majra village Klanda
Post Khanda Pargana Etamadpur, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Khanda Pargana Etamadpur Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 69,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur,

Date : 7-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref No 278/Etmadpur/78-79—Whereas I, B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etmadpur on 17-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Inshwar Chandra Singh,
Kishan Chandra Singh, Onkar Singh
s/o Sri Darshan Singh
r/o Garhi Pithi Tahsil Etmadpur Hal
r/o Baseti Sikandar Tah. Kuavali
Post Fatehpur Sikri Distt. Agra

(Transferor)

- (2) Shri Banshidhar
s/o Sri Pitambar Singh,
Shri Ravindra Kumar
s/o Sri Banshidhar
r/o Piparia Mauja Ghauta
Post & Tah. Etmadpur Distt. Agra

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauja Khaiyani Tahsil Etmadpur Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 47,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 91,500/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date : 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 695-A/B.Shahar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 10-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Syed Fariduddin
s/o Jamshed Shah Mohammad Khan
1/o Village Kayarit Mukhtar-ai-aam
Markar Jodi Nihal Aligarh
Dudhpur Post Khas village Kathirut
Pargana Arhat, Bulandshahar.

(Transferor)

- (2) Smt. Nadira Aria
w/o Shri Arif Bashir
1/o Bulandshahar Mohalla Kothi Talab,
Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kayrith sold for an apparent consideration of Rs. 33,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 584-A/M. Nagar/78-79.—Whereas, I, **B. C. CHATURVEDI** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jansath on 19-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Joga Singh
s/o Shri Pyara Singh
r/o Kaval Pargana Jauli Jansath
Tah. Jansath, M. Nagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ishhaq Hussain, Asaf Hussain,
Akbar Hussain s/o Shri Hussain
r/o Kawal, Pargana Jauli, Jansath,
Tah. Jansath Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Kaval Pargana Jauli Tah. Jansath sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 81,200/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 602-A/B.Shahar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 12-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Karnail Singh
s/o Shri Phavat Singh
S/Shri Bachan Singh, Gurbux Singh
ss/o Shri Karnail Singh
r/o Vill. Nikosara,
Smt. Maya Devi
d/o Shri Narain Singh
r/o Vill. Novping Barki Balan
Tah. Bastara Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) S. Shri Gurdip Singh, Gandhara Singh
Darshan Singh ss/o Shri Adam Singh,
Shri Mahendra Singh
s/o Shri Maya Singh,
Smt. Jagir Kaur
d/o Shri Navab Singh,
S/Shri Balwant Singh Kulwant Singh
ss/o Shri Mahendra Singh
r/o Vill. Basar Ki Galli,
Tah. & Distt. Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sadabad sold for an apparent consideration of Rs. 95,475/- the fair market value of which has been determined at Rs. 140,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref No 665 A/M Nagai /78-79 —Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzaffarnagar on 6-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely —

(1) S Shri Mangal Singh, Teja Singh
ss/o Shri Jawahar Singh
1/o Village Kuwan Tah Ramrula
Distt Tuhiana Hal
r/o Vill Asadnagar Majara Madina
(Muzaffarnagar)

(Transferee)

(2) S/Shri Jaspal Singh, Harbans Singh, Bhagat Singh
Upkar Singh, Surjit Singh
ss/o Shri Bachana Singh
1/o Asadnagar Majara Mandara
(Muzaffarnagar)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Mandara, Asadnagar, Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs 50,000/ the fair market value of which has been determined at Rs 66,600/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 9-3-1979
Seal

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 678-9.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____ number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kairana on 19-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Janka Dulati
Shri Sitaram Gupta
c/o N-184 Panchsheel Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mainpal
s/o Sri Kedar Singh,
c/o Hard Fatehpur, Tah Kairana,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Hard Fatehpur Tah Kairana sold for an apparent consideration of Rs. 24,502.50 the fair market value of which has been determined at Rs. 78,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref No 679-A—Whereas I B C CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanana on 19-7 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Smt Shyam Lata
w/o Shri Krishna Kumar Jauhari
r/o 21 Jauhari Tola Allahabad

(Transferor)

(2) Shri Jhanak Pal Singh
s/o Shri Kedar Singh
r/o Hard Fatehpur Tah Kairana
Distt Muzaffarnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Harad Fatehpur Pargana Thana Bhawan sold for an apparent consideration of Rs 26,865/- the fair market value of which has been determined at Rs 85,000/-

B C CHATURVEDI
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date - 9-3-1979

Seal -

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 720-A. - Whereas, I. B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoband on 26-7-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—
25—6/1/79

- (1) Shri Rajendra Kumar
s/o Jala Prakash Chand
r/o Saharanpur, Moh. Chaudhrian,
Mukhtai-ai-am Aj Janib
S/Shri Santosh Kumar, Subodh Kumar
ss/o Shri Jambu Prasad,
Shri Pramod Kumar
s/o Shri Mahendra Kumar
r/o Nanita,
Shri Mukut Kumar
s/o Shri Jambu Prasad
r/o Kaswa Nagla, Moh. Shekhjad,
Pargana Rampur Post Khas,
Distt. Saharanpur.

(Transfer)

- (2) S/Shri Abhaya Ram, Munshi Lal, Kisan Ram
Puran Chandra ss/o Shri Harbans Lal
r/o Kasba Shamli, Mohalla Ramshala,
Tah. Kairana, Distt. Muzaffarnagar

(Transfer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Dadampur Pargana Rampur Tah. Deoband District Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 100,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 142,520/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 580-A/G.bad/78-79 —Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 24-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kalyan Singh
s/o Shri Surajmal
r/o Nihapur Modinagar pargana Palalabad,
Tah. Hapur, Distt. Gaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kasturi Devi
w/o Shri Mula
r/o Madhuri Post Dinagar,
Pargana Jalalabad, Tah. Hapur,
Distt. Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Machari Jalalabad Tah. Hapur, Distt. Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 16,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 27,333/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th March 1979

Ref. No. 581-A/G.bad/78-79—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hapur on 24-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nathu Singh
s/o Shri Badam Singh
1/o Vidyapur, Modinagar, Pargana Jalalabad,
Tah. Hapur, Distt. Gaziabad

(Transferor)

(2) Smt. Kasturi Devi
w/o Shri Mula
1/o Madhuri Post, Modinagar,
Pargana Jalalabad, Tah. Hapur,
Distt. Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Machari, Jalalabad, Tah. Hapur, Distt. Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 16,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 27,333/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-3-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th March 1979

Ref. No. 582-A/G.bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 24-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijay Kumar
s/o Shri Risal Singh
r/o Vidyapur Modinagar Pargana Jalalabad,
Tah. Hapur, Dist. Gaziabad. (Transferor)
- (2) Smt. Kasturi Devi
w/o Shri Mula
r/o Madhuri PostDinagar,
Pargana Jalalabad, Tah. Hapur,
Dist. Gaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Machari Pargana Jalalabad Tah. Hapur, Dist. Ghaziabad sold for an apparent consideration at Rs. 16,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 27,333/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vishwa Estates Pvt. Ltd.
B-6, Asaf Ali Road, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Babu Gupta (3/4th share)
S/o Late Sh. Hari Shanker &
Smt. Narmada Devi (1/4th share),
W/o Sh. Shanker,
R/o 1124, Kucha Natwan, Chandni Chowk,
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-118/78-79/6717.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-7 situated at 3-Metcalf Road, Shankracharya Marg Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor flat of Block No. 7, measuring 2072 (covered area) sq yds situated at 3-Metcalf Road, known as 3-Shankracharya Marg, Civil Lines, Delhi and bounded as under :—

East : Bloc No. 8
West : Open space
North : 30' wide Road
South : Others Bungalow

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1979
Seal :

